मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 241
शुक्रवार, 21 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

एआई और भ्रामक सूचना के प्रति सचेत रहने की जरूरत : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 20 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकतंत्र को कायम रखने में स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता की अहम भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और भ्रामक सूचना के कारण बढ़ते खतरों के प्रति आगाह भी किया।

राष्ट्रपति ने रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए शोध और एक मजबूत न्यूजरूम के अलावा जमीनी रिपोर्टिंग के महत्व को भी रेखांकित किया, जिसकी वकालत पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भी की थी। राष्ट्रपति ने कहा, लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर नागरिकों को अच्छी जानकारी नहीं होगी, तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं अपना अर्थ खो देंगी। उन्होंने आधुनिक राज्य में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण के दौरान एआई और गलत सूचना के संबंध में बढ़ती चिंताओं को रेखांकित किया।

उन्होंने डीप फेक और एआई जनित अन्य दुरुपयोगों के खतरों पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही उस चरण में पहुंच जाएंगे, जब दुर्भावनापूर्ण सामग्री को हटा दिया जाएगा, और तथाकथित पोस्ट-ट्रुथ का चलन खत्म हो जाएगा। राष्ट्रपति ने मीडिया से आग्रह किया कि वह नागरिकों, विशेषकर युवा पीढ़ी को इन खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए सक्रिय अभियान चलाए।

चुनावी बॉन्ड की अदालत की निगरानी में जांच के लिए पुख्ता सामग्री नहीं : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, 20 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे की अदालत की निगरानी में जांच कराने के अनुरोध वाली याचिका में लगाए गए इन आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सामग्री नहीं है कि चंदे के बदले कॉर्पोरेट समूहों को लाभ मिलता है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने चुनावी बॉन्ड पर मीडिया में आई खबरों पर भरोसा करने के लिए याचिकाकर्ता से सवाल किया और पूछा, वे किस हद तक विश्वसनीय हो सकती हैं? अदालत ने कहा, इस याचिका में क्या सामग्री है?... किस आधार पर? अखबारों में छपी खबरें, बस इतना ही। अदालत ने

याचिका में लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सामग्री न होने पर कहा कि याचिकाकर्ता बिना सामग्री के जांच की मांग नहीं कर सकता। पीठ ने आदेश में कहा, हम उन्हें जांच, प्रारंभिक जांच, आपराधिक शिकायत दर्ज करने आदि के लिए तभी निर्देश देते हैं, मुकदमा तभी चलाते हैं, जब हम प्रथम दृष्टया संतुष्ट हो जाते हैं। हमारे पास कोई सामग्री नहीं है, सिवाय इसके कि दानदाताओं की एक सूची है, बस इतना ही है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के वकील ने कहा कि याचिका में लगाए गए आरोप अस्पष्ट हैं और याचिकाकर्ता को पहले यह साबित करना होगा कि उसकी याचिका पोषणीय है। याचिकाकर्ता सुदीप नारायण तमणकर ने पिछले साल दो अगस्त को उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित एक आदेश के अनुसरण में 18 अप्रैल 2024 को की गई उनकी शिकायत पर सीबीआई द्वारा अदालत की निगरानी में जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

जमीनी स्तर पर सैनिकों का कोई विकल्प नहीं: सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली, 20 मार्च। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि जमीनी स्तर पर सैनिकों का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी केवल क्षमता बढ़ाने वाली हो सकती है लेकिन यह लोगों की जगह नहीं ले सकती।

रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने नये दौर के संघर्षों से निपटने के तरीकों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक युद्ध के साथ-साथ अलग-अलग तरह के युद्ध से निपटने के लिए सैन्य कर्मियों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करना देश के लिए एक बड़ी चुनौती है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे बहुसांस्कृतिक, बहुधार्मिक और बहुजातीय देश के लिए गलत सूचना और आंतरिक कलह एक बड़ी चुनौती हो सकती है। जनरल चौहान वर्सेज एंड वॉर्सः नेविगेटिंग हाइब्रिड थिएटर्स नामक सत्र को संबोधित कर रहे थे।

सीडीएस ने साइबर स्पेस, दुष्प्रचार और आर्थिक दबाव को भी समकालीन युद्ध के आवश्यक तत्व बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वैश्विक सुरक्षा माहौल में दो चुनौतियां हैं-एक है अनिश्चितता और दूसरी है तेजी से होने वाला बदलाव। उन्होंने कहा, हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती लोगों को अलग-अलग तरह के युद्ध के साथ-साथ पारंपरिक युद्ध के लिए प्रशिक्षित करना है। जनरल चौहान ने कहा कि तकनीक सिर्फ. क्षमता बढ़ाने का काम कर सकती है, लेकिन यह लोगों की जगह नहीं ले सकती। सीडीएस ने नए दौर के युद्ध क्षेत्रों के बारे में भी बात की।

आप और बीजेपी किसान विरोधी', पंजाब में किसानों को हिरासत में लेने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

पंजाब, 20 मार्च। विपक्षी कांग्रेस ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा पर पंजाब पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर तीखा हमला किया और दोनों पार्टियों पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया। बुधवार देर रात पंजाब पुलिस ने हरियाणा-पंजाब सीमा से प्रदर्शनकारी किसानों को हटाने के लिए बल प्रयोग किया। उन्होंने जगजीत सिंह दल्लेवाल और किसान मजदूर मोर्चा के प्रमुख सरवन सिंह पंधेर समेत किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया।

पुलिस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि कल रात, जब किसान गहरी नींद में सो रहे थे, 3,000-4,000

सशस्त्र पुलिसकर्मियों ने उन्हें (हरियाणा-पंजाब शंभू सीमा से) हटाने के लिए बल और बुलडोजर का इस्तेमाल किया, और भूख हड़ताल पर बैठे बुजुर्ग दल्लेवाल को भी नहीं बख्शा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आप और भाजपा किसान विरोधी हैं और यह कार्रवाई पंजाब के सीएम भगवंत मान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अब घटनाक्रम समझिए...पहले भगवंत मान किसानों को सीएम हाउस से बाहर निकालते हैं। फिर वह गृह मंत्री अमित शाह से मिलने जाते हैं। फिर दोनों के बीच साजिश रची जाती है जो कल की दमनकारी कार्रवाई के रूप में सामने आती है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और आप दोनों किसान विरोधी हैं। यह दोनों के लिए आत्मघाती कदम था क्योंकि अब वे पंजाब में डूब जाएंगे। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पंजाब के कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की, जो किसानों के मुद्दों को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि जिस तरह से किसानों पर अत्याचार किया गया है, मैं उसकी निंदा करता हूं। जो सरकारें कहती थीं कि हम किसानों के हितैषी हैं, उनका असली चेहरा सामने आ गया है। भगवंत मान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें (किसानों को) पीटने का काम किया है, ऐसा नहीं होना चाहिए। कल देर शाम पंजाब पुलिस ने किसानों को पंजाब-हरियाणा खनौरी बॉर्डर और शंभू बॉर्डर से हटा दिया।

मंत्रियों को बोलते समय संयम बरतना चाहिए : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 20 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि उनके बयानों से समाज में द्वेष पैदा न हो। उन्होंने मंत्रियों को दिवंगत भाजपा नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राज धर्म की सलाह की याद दिलाई।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी दो दिन पहले नागपुर में भड़की हिंसा और भाजपा मंत्री नितेश राणे के हाल के विवादास्पद बयानों की पृष्ठभूमि में आई है। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

मुख्यमंत्री ने यह राय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल द्वारा लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2025 के अवसर पर लिए गए साक्षात्कार में रखी।

फडणवीस ने कहा, एक मंत्री के तौर पर हमें एक निश्चित भूमिका निभानी होती है। (पूर्व प्रधानमंत्री) अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहीं इसका उल्लेख किया था कि एक मंत्री के तौर पर हमें राज धर्म (शासक के कर्तव्य) का पालन करना होता है। इसलिए हमें अपनी व्यक्तिगत राय, पसंद और नापसंद को अलग रखना होता है। हमने संविधान की शपथ ली है और

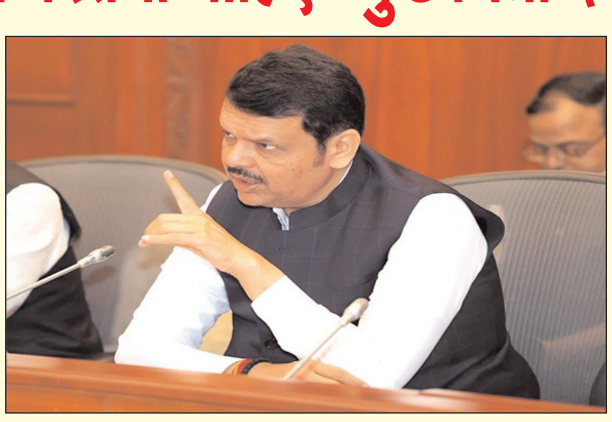

संविधान ने हमें किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

विपक्ष ने मंगलवार को नितेश राणे के विवादास्पद बयान को लेकर राज्य विधानमंडल परिसर में उनके खिलाफ प्रदर्शन किया था। फडणवीस ने कहा, मंत्रियों को बोलते समय संयम बरतना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी टिप्पणियों से (समाज में) कहीं भी दुश्मनी पैदा न हो। कभी-कभी युवा मंत्री कुछ टिप्पणियां कर देते हैं। मैं ऐसे मौकों पर उनसे बात करता हूं और उन्हें बताता हूं कि आप एक मंत्री हैं और आपको संयम रखने की जरूरत है। पाटिल ने फडणवीस से कुछ मंत्रियों के एक विशेष समुदाय के खिलाफ टिप्पणियां किए जाने के बारे में सवाल किया था।

भाजपा को किसानों की कोई परवाह नहीं, अखिलेश यादव का केंद्र सरकार पर निशाना

लखनऊ, 20 मार्च। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को किसानों के विरोध प्रदर्शन के मुद्दे पर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें किसानों की कोई परवाह नहीं है। भाजपा पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि किसी भी सरकार को किसानों के साथ

अन्याय नहीं करना चाहिए, इसलिए उनकी मांगों पर चर्चा होनी चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में सपा प्रमुख ने कहा कि जहां तक किसानों का सवाल है, भाजपा को उनकी कोई परवाह नहीं है।

सपा प्रमुख ने कहा कि हमें जमीनी स्तर पर अपनी व्यवस्था को सुधारना है, किसानों को समृद्ध बनाना है।

नफरत, असमानता एवं नस्लीय भेदभाव से लड़ें

-ललित गर्ग

नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 21 मार्च, 2025

नस्लवाद मानवता के माथे पर एक बदनुमा दाग है, यह सिर्फ.उन लोगों के जीवन को ही नुकसान नहीं पहुंचाता जो इसे झेलते हैं, बल्कि पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफरत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। यह दिवस नस्लीय भेदभाव को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है और नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है, ताकि नस्लीय अलगाव से मुक्त वैश्विक समझ और एकता को बढ़ावा देते हुए नस्लमुक्त आदर्श एवं समानतामूलक दुनिया का निर्माण किया जा सके।

किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के जरिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है। नस्लवाद, विदेशी लोगों के प्रति घृणा और उससे संबंधित भेदभाव और असहिष्णुता सभी समाजों में, हर जगह मौजूद हैं। 21 दिसंबर, 1965 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 2106 (एक्सएक्स) के माध्यम से सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को अपनाया, जो नस्लवाद को मिटाने के वैश्विक प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस वर्ष सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 60वीं वर्षगांठ है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों में से पहली के रूप में, नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने भविष्य के मानवाधिकारों की उन्नति के लिए मंच तैयार किया। 60वीं वर्षगांठ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ की गई प्रगति पर चिंतन करने और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालने का आह्वान करती है। यह समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और नस्लवाद को खत्म करने के प्रयासों को जारी रखने का समय है, ताकि सभी व्यक्तियों, समाजों के लिए समान व्यवहार एवं समानतामूलक विश्व की संरचना सुनिश्चित हो सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो। बावजूद इसके पूर्वोत्तर राज्यों एवं अन्य समाजों में नस्लीय भेदभाव पसरा है। नस्ल प्रभावित लोगों के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये घटनाएं न सिर्फ राजधानी में इन राज्यों के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता की स्थिति को दशार्ती हैं, बल्कि यहां कानून-व्यवस्था के हालात पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विगत एक वर्ष में दिल्ली में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें जहां हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण जैसे गंभीर आपराधिक मामले बड़ी संख्या में हैं, वहीं महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, फोन पर फब्तियां कसने व घूरने जैसी घटनाओं को लेकर दर्ज किए गए, मामलों की संख्या भी कम नहीं है। यही नहीं, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के पास सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने संबंधी मामले भी आ रहे हैं। इस तरह तेजी से बढ़ती आपराधिक घटनाएं राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। ये स्थितियां भारत के नस्लीय भेदभाव के विरोध और अश्वेतों को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत को भी धुंधलाती है। क्या कारण है कि देश के भीतर के सामाजिक विभाजन एवं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं रहे हैं। भले ही ऐसी वारदातें पुलिस की नजर में छोटी हों लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरवपूर्ण संस्कृति के लिये चिन्ताजनक है। तेजी से बढ़ता नस्लीय हिंसक दौर किसी एक प्रान्त का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल एवं भारत की आत्मा को जख्मी बनाया है। अब इन हिंसक होती स्थितियों को रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है।

देश में कई विसंगतिपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण धाराएं बलशाली हो रही हैं, जिन्होंने जोड़ने की जगह तोड़ने को महिमामंडित किया हैं, प्रेम, आपसी भाईचारे और सौहार्द की जगह नफरत, द्वेष एवं विघटन को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकारें। आज राजनेता अपने स्वार्थों की चादर ताने खड़े हैं अपने आपको तेज धूप से बचाने के लिये या सत्ता के करीब पहुंचने के लिये। सबके सामने एक ही अहम सवाल आ खड़ा है कि ह्यजो हम नहीं कर सकते वो तुम कैसे करोगे?ह्व लगता है इसी स्वार्थी सोच ने, आग्रही पकड़ ने, राजनीतिक स्वार्थ की मनोवृत्ति ने देश को इंसानों को नस्ल, भाषा, रंग, धर्म के भेदभावों की आग में झोंक रखा है। इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। नस्लीय भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। नस्लीय भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देते हैं, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के दिवस के आंदोलन ने गति पकड़ी, नस्लीय भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृतकाल-2047 तक नये भारत-विकसित भारत-सशक्त भारत निर्मित करने की योजनाओं के साथ भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया हैं, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव को मजबूती दी हैं। इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को ढहाया जा रहा है। इंसान ने भेदभाव की नीति अपनाते हुए संसार को बाँट दिया। मानव और मानव के बीच में जो नस्ल, जाति, भाषा, रंगभेद की दीवारें खड़ी हैं, उनको ढहाना होगा, और इसके लिए नस्लवाद के खिलाफ उन्मूलन के दिवस जैसे विश्व अभियान को अधिक सशक्त, कार्यकारी एवं सक्रिय करने की आवश्यकता है।

गाजा में फिर छिड़ी भयंकर लड़ाई, हमास के ठिकानों पर इजरायली सेना के ताबड़तोड़ हमले!

अशोक भाटिया

इजरायली बंधकों को वापस करने और हमास को सत्ता से हटाने के लिए फिलिस्तीनियों को ₹आखिरी चेतावनी₹ जारी करने के बाद गुरुवार, 20 मार्च को इजरायल ने गाजा पर बमबारी की और अपनी जमीनी कार्रवाई तेज कर दी. नए सिरे से किए गए हमले ने जनवरी के बीच में शुरू हुई सीजफायर की शांति को पूरी तरफ भंग कर दिया है. हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार, 18 मार्च के तड़के गाजा पर भारी हवाई हमले शुरू हुए, जिसमें 400 से अधिक लोग मारे गए. बुधवार को इजरायल की सेना ने घोषणा की कि उसने अपनी सुरक्षा परिधि का विस्तार करने और उत्तर और दक्षिण के बीच बफर जोन बनाने के लिए मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में ग्राउंड ऑपरेशन फिर से शुरू कर दिया है.इजराइल ने सीजफायर को बनाए रखने के कई विदेशी सरकारों के आह्वान को नकारा दिया है. इजरायल के इस फैसले के साथ गाजा से ऐसी तस्वीरें आ रही हैं जिसमें लोग अपनों के शवों को खोजने के लिए एक बार फिर मलबों को उलट-पलट रहे हैं. एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार गाजा सिटी में कंक्रीट के ढेर से एक बच्चे के शव को निकालने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति ने कहा, हम अपने नंगे हाथों से खुदाई कर रहे हैं. इजरायल ने गाजा के नागरिकों को युद्ध क्षेत्र को छोड़ने को कह दिया है. इसके बाद से छोटे बच्चों के कंधे पर लिए परिवारों ने उत्तरी गाजा से बाहर जाने वाली सड़कों को भर दिया है. राफा में रेड क्रॉस फील्ड हॉस्पिटल के सीनियर मेडिकल ऑफिसर फ्रेड ओला ने कहा कि नए सिरे से हुए हमलों ने पिछले दो महीनों की शांति को तोड़ दिया है.तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। लेकिन इस बीच, इजरायल और हमास के बीच एक अस्थायी युद्धविराम था। उस समय, कैदियों और कैदियों के आदान-प्रदान के साथ-साथ स्थायी शांति पर बातचीत शुरू हो गई थी। बातचीत बेनतीजा रही। लेकिन यह टूटा नहीं था। तथ्य यह है कि इजरायल ने ताजा हवाई हमले शुरू किए और परिणाम से पहले युद्ध जैसी स्थिति को फिर से बनाया, इजरायल नेतृत्व के इरादों के बारे में संदेह को रेखांकित करता है: इजरायल के प्रधान मंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू का मुख्य लक्ष्य गाजा पट्टी से हमास का सफाया करना है, लेकिन वह कभी भी हर हमास नेता को खत्म करने के लिए 100 से 200 फिलिस्तीनियों को मारने के कारण का जवाब देने के जाल में नहीं पड़ता है।

हमास गाजा पट्टी पर नियंत्रण नहीं चाहता है, तो किसे करना चाहिए? क्योंकि फिलिस्तीनी प्राधिकरण के रूप में मौजूद प्रणाली बहुत कमजोर है, और इसका अस्तित्व और प्रभाव वेस्ट बैंक तक सीमित है। इन दो अलग-अलग क्षेत्रों के बीच। इजराइल इस विभाजित फिलिस्तीन के बीच में स्थित है। यह केवल फिलिस्तीनी राजनीतिक शासकों की कमजोरी का फायदा उठाकर था कि हमास ने गाजा पट्टी पर नियंत्रण कर लिया था। लेकिन प्रशासक नहीं! इसलिए पश्चिमी तट की तुलना में गाजा में अधिक चर्चा थी। बुद्धि और व्यवस्था का अभाव। जब इजरायल ने इसका फायदा उठाने की कोशिश की, तो हमास (और इजराइल भी) ने उसी भाषा में जवाब दिया जो हमास (और इजराइल) समझता है, एक भारी कीमत अब हमास के साथ-साथ गाजा द्वारा भी चुकाई जा रही है।

फिर से, दुर्भाग्य से गाजा में क्रोधित, आंसू भरी आंखों वाले लोगों के लिए, वाशिंगटन में कोई नेतृत्व नहीं बचा है जो इजरायल की ओर आंखें मूंद सके। जिन्हें यह तय करना है कि राष्ट्रपति चुनाव में जो बिडेन के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की हार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को कितना नुकसान पहुंचाया है, लेकिन नवीनतम घटना से पता चलता है कि गाजा में फिलिस्तीनियों को नुकसान माप से परे होगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गाजा से फिलिस्तीनियों के पूर्ण विस्थापन की उम्मीद करते हैं। दोनों का लगभग एक ही उद्देश्य, अलग-अलग मार्ग है। ट्रम्प गाजा में अपने सपनों का पर्यटन स्वर्ग स्थापित करना चाहते हैं। नेतन्याहू 'सफाई' का काम कर सकते हैं। गांव के नेता अवैध रूप से भूमि के एक टुकड़े पर नियंत्रण करने के लिए ठगों को भेजते हैं। नेतन्याहू फिलिस्तीनियों के जीवन की परवाह नहीं करते हैं, और उनके अधिकारों को ट्रम्प करते हैं, और व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया इस खबर के लिए थी कि 400 से अधिक पीड़ितों - बड़ी संख्या में बच्चों की मृत्यु हो गई थी। इसके लिए हमास जिम्मेदार है। राष्ट्रपति ने पहले ही चेतावनी दी थी कि ऐसा होने से रोकने के लिए सभी इजरायलियों को रिहा कर दिया जाना चाहिए या आसमान गिर जाएगा...'! बिडेन प्रशासन संवेदनशीलता दिखा रहा था, कम से कम अपनी प्रतिक्रियाओं में। ट्रम्प प्रशासन उनसे ज्यादा 'ईमानदार' है! फूक्वा की संवेदनशीलता की जरूरत किसे है? इजरायल ने नवीनतम हमले के लिए हमास की हठधर्मिता को दोषी ठहराया, जो कि मामला नहीं है।

ठीक दो महीने पहले, 19 जनवरी को, इजरायल और हमास के बीच पहला युद्धविराम लागू हुआ था। इसके तहत, ओलिस और युद्ध के कैदियों की रिहाई का पहला चरण, गाजा पट्टी से इजरायली सेना की पूर्ण वापसी दोनों पक्षों द्वारा पूरी होने की उम्मीद थी। युद्धविराम का पहला चरण 1 मार्च को समाप्त हुआ। दूसरे चरण की शुरूआत से पहले वार्ता होने की उम्मीद थी। पहले चरण में यह भी तय किया गया था कि अमेरिका ने संघर्ष विराम के पहले चरण में बढ़त ले ली थी, जिसका श्रेय निश्चित रूप से ट्रम्प ने लिया था। जब दूसरे चरण की वार्ता आगे नहीं बढ़ी तो स्थिति 'जस की तस बनी रही' रहने की उम्मीद थी। लेकिन इजरायल ने एक बार फिर घातक हमले किए और स्थिति को पहले चरण के पहले चरण में ले गए। जारी नहीं किया गया। हमास, जाहिर है, इसके विपरीत कहता है। यह है कि आप पूरे युद्ध के अंत के बिना सभी नखलिस्तान को जाने नहीं दे सकते।

इजराइल ने जोर देकर कहा कि हमास युद्ध की समाप्ति से पहले गाजा पट्टी का नियंत्रण छोड़ दे, एक महत्वपूर्ण विकास जिसे दुनिया ने नजरअंदाज कर दिया, जो बाहरी दुनिया के लिए मामूली होने के बावजूद, नेतन्याहू के लिए महत्वपूर्ण था। जब पहले युद्धविराम की घोषणा की गई, तो नेतन्याहू सरकार के सहयोगी, यहूदी शक्ति के नेता इतामार बेन ग्वायर ने फैसले का विरोध किया और सरकार छोड़ने का फैसला किया। विधायिका में बहुत मजबूत बहुमत नहीं था। सात सदस्यीय यहूदी शक्ति के बाहर निकलते ही वे और अधिक कमजोर हो गए। नेतन्याहू आने वाले दिनों में देश के बजट को मंजूरी दिलवाना चाहते हैं। इसके लिए सुरक्षित बहुमत की जरूरत थी। गाजा पर हमले सोमवार आधी रात को शुरू हुए और कुछ ही घंटों के भीतर यहूदी पावर पार्टी मंगलवार को फिर से सरकार में शामिल हो गई। दूसरे शब्दों में, नेतन्याहू सरकार सुरक्षित है। नेतन्याहू के लिए, जो 7 अक्टूबर, 2023 से पहले राजनीतिक रूप से कमजोर हो गए थे, हमास का हमला एक आपदा साबित हुआ, और वहां से उनका मुख्य लक्ष्य अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करना होगा। उत्तरार्द्ध पर करीब से नजर डालने से पता चलेगा कि गाजा युद्ध नेतन्याहू के राजनीतिक अस्तित्व और महत्वाकांक्षाओं की लड़ाई से अलग नहीं है।

नेतन्याहू, ट्रम्प, पुतिन, शी जिनपिंग जैसे नेता दुनिया भर में बढ़ रहे हैं जिन्होंने व्यक्तिगत अस्तित्व और महत्वाकांक्षा के लिए लाखों बलिदान या बलिदान करने के मॉडल को स्थापित और विकसित किया है। उनका युद्धविराम परेशान लोगों को आराम देने के लिए नहीं है, बल्कि उन्हें यह तय करने का समय देने के लिए है कि वे युद्ध से क्या प्राप्त करेंगे। युद्ध के लिए उनके अंत को गोलियों या तोप के गोले का अंत घोषित नहीं किया गया है। हमारी स्थिति कितनी मजबूत या नाजुक है, इसके निष्कर्ष सामने आते हैं। इस प्रकार, युद्ध जैसी स्थितियों से बातचीत भी मनुष्यों के कल्याण के लिए नहीं बल्कि आत्म-कल्याण और सुविधाओं के लिए होती है। हर नए कार्य के लिए, धार्मिक संकट, राष्ट्रीय संकट, देशभक्ति, धार्मिक गौरव जैसी मध्ययुगीन अवधारणाओं का उपयोग किया जाता है। दूसरे की भूमि, दूसरे का पानी, किसी और के संसाधनों को अपने पास लाने के लिए दावा करें और उन्हें अपने साथ लाने के लिए हेरफेर करें। यह उनकी खाकी है। वे हाथ में परिष्कृत हथियारों का उपयोग करके दुश्मन के दमन के बजाय लोगों को नष्ट करने के लिए भी सहमत हैं। इन विपरीत विश्व नेताओं के कारण, हर जगह विनाश के संकेत हैं। हमें इस खतरे को भी पहचानना चाहिए कि भविष्य में उनका दायरा बढ़ेगा!

अपनी पहचान खोती कठपुतलियां

-रमेश सर्राफ धमोरा

-21 मार्च विश्व कठपुतली दिवस पर विशेष

कठपुतली न केवल एक औपचारिक रचना, एक रंगमंच की भाषा या एक कला वस्तु है। बल्कि यह एक ऐसी आकृति भी है, जिसने लगभग सभी संस्कृतियों में जीवन और मृत्यु की उत्पत्ति, दृश्य और अदृश्य के बीच के संबंध, तथा आत्मा और पदार्थ के बीच के संबंध जैसे प्रश्नों को मूर्त रूप दिया है। कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमो में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड्डे-गुड़ियों, जोकर, राजदरबारों आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है। कठपुतली को लकड़ी अर्थात काष्ठ से बनाया जाता था। इस प्रकार काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा।

कठपुतलियों का इतिहास बहुत पुराना है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी की अष्टाध्यायी के नटसूत्र में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। कुछ लोग कठपुतली के जन्म को लेकर पौराणिक आख्यान का जिक्र करते हैं कि शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती का मन बहलाकर इस कला की शुरूआत की थी। सतवर्द्धन काल में भारत से पूर्वी एशिया के देशो इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, जावा, श्रीलंका आदि में इसका विस्तार हुआ। आज यह कला चीन, रूस, रूमानिया, इंग्लैंड, चेकोस्लोवाकिया, अमेरिका व जापान आदि अनेक देशों में पहुंच चुकी है। इन देशों में इस विधा का सम-सामयिक प्रयोग कर इसे बहुआयामी रूप प्रदान किया गया है। वहां कठपुतली को मनोरंजन के अलावा शिक्षा, विज्ञापन आदि अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

हम हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाते हैं। इस दिन का उद्देश्य कठपुतली को वैश्विक कला के रूप में मान्यता देना है। यह दुनिया भर के कठपुतली कलाकारों को का सम्मान करने का एक प्रयास है।एक समय था जब कठपुतली को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम समझा जाता था। लेकिन आज कठपुतली कला मनोरंजन के साथ ही लोगों को जागरुक भी कर रही है। प्राचीनकाल से ही जादू टोनों एवं कुदरती प्रकोपों से बचने के लिए मानव जीवन में पुतलों का प्रयोग होता रहा है। भारत में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी काष्ठ, मिट्टी व पाषाण से निर्मित ये पुतले जातीय एवं पारिवारिक देवताओं के रूप में प्रतिष्ठित होते रहे हैं।

भारतीय कठपुतलियों की प्राचीनता के सम्बन्ध में पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख मिलता हैं। महाभारत में अर्जुन द्वारा ब्रहन्नला को कठपुतलियों का खेल सिखाने का उल्लेख है। महाभारत में रूपजीवन शब्द का भी काफी प्रयोग हुआ है और वह भी पुतलियों के खेल-तमाशों के संदर्भ में। पंचतंत्र नामक ग्रन्थ में ऐसी कठपुतलियों का जिक्र है। जो लकड़ी की खूटियों के सहारे नाना प्रकार के मानवी करतब दिखलाती थी। विक्रमादित्य के समय सिंहासन बतीसी नामक एक ऐसा सिंहासन था जो दिन में सम्राट के बैठने के काम आता था और रात को उसकी बतीस कठपुतलियां विभिन्न प्रकार से रागरंग कार्यक्रम कर सम्राट को रिझाती थी। राजस्थान की स्ट्रिंग कठपुतलियां दुनिया भर में मशहूर हैं। इसके अलावा उड़ीसा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी कठपुतलियों की यही कला प्रचलित है।

राजस्थानी कठपुतलियों का ओवल चेहरा, बड़ी आंखें, धनुषाकार भौंहें और बड़े होंठ इन्हें अलग पहचान देते हैं। 5-8 स्ट्रिंग्स से बंधी ये कठपुतलियां राजस्थानी संगीत के साथ नाटक पेश करती हैं। राजस्थान में कठपुतलियों का प्रचलन काफी समय से हो रहा है। यहां कठपुतलियां नटों तथा भाटों द्वारा प्रयुक्त होती है। ये नट नाटक भी करते थे, नाचते भी थे एवं विभिन्न प्रकार के शारीरिक करतब भी दिखलाते थे। यह रस्सियों पर भी चलते थे ओर कठपुतलियां भी नचाते थे। नट जाति में प्रचलित एक किवदंती के आधार पर ब्रह्मा के वरदान से एक आदि नट की उत्पत्ति हुई थी। इन नटों के पूर्वज ही विक्रमादित्य के समय में सिंहासन बतीसी नामक कठपुतली नाटक के सर्जक थे। भारत की पुरातन संस्कृति का केन्द्रस्थल उत्तर भारत का राजस्थान एवं सिंध क्षेत्र रह चुका है।

राजस्थान में कठपुलियों का खेल दिखाने का मंच बहुत ही सादा होता है। गांव में कठपुतली का खेल दिखाने हेतु दो खाट खड़ी कर उसको ऊपर-नीचे से बांसों से जकडकर मंच की शक्ल दे दी जाती है। आगे की तरफ बारादरीनुमा ताजमहल नामक पर्दा लगा दिया जाता है। पृष्ठ भूमि में एक रंगीन काली चादर लगा दी जाती है जिसके पीछे से ये कठपुतलियों का संचालन करते हैं। इनकी कठपुतलियों का आकार लगभग डेढ़ फुट का होता है। इन कठपुतलियों की वेशभूषा पारम्परिक राजस्थानी होती है।

राजस्थान के नट जो पहले राजा-महाराजाओं के दरबारों की शोभा बढ़ाते थे। धीरे-धीरे सामाजिक एवं आर्थिक कारण से पिछड़ते चले गये और छोटी-छोटी जातियों के याचक बन गये। जिन राजाओं तथा विशिष्टजनों ने उन्हें प्रोत्साहन एवं संरक्षण प्रदान किया उन्हीं की जीवन-गाथायें इनकी पुतलियों का विषय बन गयी। जैसे विक्रमादित्य के काल की सिंहासन बतीसी, पृथ्वीराज चैहान के समय की पृथ्वीराज संयोगिता व अमरसिंह राठौड़ का खेल प्रमुख थी। घोर परम्परा एवं जातीय बन्धनों में बंधे हुये ये भाट आज भी अपनी पुतलियों में संशोधन आदि का सुझाव नहीं मानते हैं।राजस्थान में आज इस जाति के लगभग सोलह हजार भाट मौजूद हैं। जिनमें से आठ हजार आज भी कठपुतलियां नचाने का काम करते हैं। कुछ खेती बाड़ी के धन्धे में भी लगे हुये हैं तो कुछ ने नाच गाने को अपना पेशा बना लिया है। कुछ अपने यजमानों के घर व शादी विवाह के अवसर पर ढोल बजाकर याचक का काम करते हैं।

तीन सौ वर्षों से निरन्तर प्रचलन में होने से राजस्थानी कठपुतलियों का मूल नाटक बिल्कुल ही विकृत हो गया है। अब तो दर्शक संचालन शैली तथा नाट्य-विधि के कारण ही कठपुतली का खेल देखते हैं। आज भी राजस्थानी कठपुतलियों में दर्शकों को बांधने की ताकत देखने का मिलती है जो कदाचित अन्य किसी में नहीं है। कठपुतली संचालक द्वारा अपने मुंह से ही सीटीनुमा आवाज निकालकर भाव व्यक्त किया जाता है। आजकल कठपुतली निर्माण कार्य कठपुतली संचालक स्वयं ही करता है क्योंकि पारम्परिक कठपुतली निमार्ता बढ़ई बहुत कम संख्या में रह गये हैं। इन कठपुतलियों को भाट बड़े आदर-भाव से देखते हैं। आज भी इनकी पारम्परिक कठपुतलियों के लंहगों की अनेक परतें इनकी पुरातन प्रियता की द्योतक है। कठपुतलियों के मुंह निर्मित होते हैं तथा अन्य सब अंग रूई व कपड़ों से बनाये जाते हैं। प्रयोग में नहीं आने वाली कठपुतलियों को ये लोग फेंकते नहीं बल्कि आदर पूर्वक जल में प्रवाहित करते हैं।

राजस्थानी कठपुतलियों में चेहरे का आकार शरीर से बड़ा, आंखें काफी बड़ी, वक्षस्थल अत्यन्त लघु एवं उभरा हुआ तथा पांवों का न होना इनकी अपनी विशेषता है। इससे कठपुतलियों का संचालन अत्यन्त सजीव बन जाता है। कठपुतलियों के खेल दिखाने वाले दल में दो या तीन व्यक्ति होते हैं। औरतें ढालक बजाती हैं व मर्द कठपुतलियां चलाते हैं। इनके दोनों हाथ मशीन की तरह चलते हैं। सीटी द्वारा उत्पन्न विविध ध्वनियां, वाचन के साथ पैर से पैदा की गयी आवाजें तथा ढोलक की विचित्र थापें समस्त नाटक को प्राणवान बना देती हैं। राजस्थानी कठपुतलियां पिछले सैकड़ों वर्षों से समाज की अवहेलना व उदासीनता की शिकार रही हैं। इन्हें सरकार से किसी प्रकार का कोई संरक्षण प्राप्त नहीं हुआ है। इन कठपुतली परिचालक भाटों को उनका पिछड़ापन, अंधविश्वास तथा इनकी परम्परागतता ने भी इन्हें काफी हानी पहुंचाई है। सरकार को इन सर्वाधिक पुरातन कठपुतली कला को आधुनिक बनाने के लिए नये कथानक, नये विचार तथा नवजीवन प्रदान करने में सहयोग करना चाहिये ताकि हमारे लोक जीवन का अंग बन चुकी कठपुतली कला सदैव हमारे साथ रहकर मनोरंजन करती रहे। जीविकोपार्जन के लिए कठपुतली कलाकारों को गांव-कस्बों से पलायन करना पड़ रहा है। कलाकारों ने नाच-गाना और ढोल बजाने का काम शुरू कर लिया है। रोजगार की तलाश ने ही कठपुतली कलाकारों की नई पीढ़ी को इससे विमुख किया है। जन उपेक्षा व उचित संरक्षण के अभाव में नई पीढ़ी इस लोक कला से उतनी नहीं जुड़ पा रही है जितनी जरूरत है। उनके परिवार के सदस्य आज भी अन्य किसी व्यवसाय की बजाय कठपुतली बनाना पसंद करते हैं। वह कहते हैं कि कठपुतली से उनके पूर्वजों की यादें जुड़ी हुई हैं।

पंजाब में किसान आंदोलन पर कड़ा एक्शन, आप सरकार ने क्यों बदला रुख?

-अजय कुमार

पंजाब में किसान आंदोलन को लेकर लगातार बदलते घटनाक्रम ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हुई पुलिस की कार्रवाई और बुलडोजर एक्शन से किसान संगठनों में गहरा असंतोष फैल गया है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार, जो अब तक किसानों के समर्थन का दावा करती रही थी, अचानक ही उनके खिलाफ नजर आ रही है। इसका असर यह हुआ कि न केवल किसान, बल्कि विपक्षी दल भी भगवंत मान सरकार पर हमलावर हो गए हैं। बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर पंजाब सरकार ने अचानक किसानों के मामले में यू-टर्न क्यों लिया? लंबे समय से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को पंजाब पुलिस ने 19 मार्च को हिरासत में ले लिया। उनके साथ-साथ किसान मजदूर मोर्चा के प्रमुख सरवन सिंह पंढेर और आंदोलन में शामिल अन्य किसानों को भी मोहाली में हिरासत में लिया गया। ये सभी किसान नेता चंडीगढ़ में केंद्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करके लौट रहे थे, जब पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस ने देर रात शंभू और खनौरी बॉर्डर को खाली करा दिया। आंदोलनरत किसानों के स्थायी और अस्थायी ढांचों को भी बुलडोजर से हटा दिया गया। पंजाब सरकार के इस कड़े रुख ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि आम आदमी पार्टी शुरू से ही किसानों के समर्थन में खड़ी रही है। भगवंत मान का बदला हुआ रुख हैरान करने वाला है। शुरूआत में पंजाब सरकार ने कोर्ट में किसानों के पक्ष में दलील दी थी कि अगर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई होती है, तो इससे देशभर में अशांति फैल सकती है। इसके बावजूद सरकार ने किसान नेताओं के साथ बातचीत जारी रखी, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका। सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर कमेटी भी बनाई, लेकिन फिर भी समाधान नहीं निकला। किसानों का विरोध लगातार जारी रहा, खासकर जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन सरकार के लिए चिंता का विषय बन गया था। 10 जुलाई 2024 को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि एक हफ्ते के भीतर शंभू बॉर्डर को खोला जाए। हालांकि, हरियाणा सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चली गई थी, लेकिन अब पंजाब सरकार ने खुद ही बॉर्डर को खाली करा दिया है। यह फैसला इसलिए चौंकाने वाला है, क्योंकि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन का समर्थन किया था और उनके साथ खड़े रहने का वादा किया था। किसानों के समर्थन के चलते आम आदमी पार्टी को पंजाब में सत्ता भी मिली थी। शुरूआती दौर में पंजाब सरकार किसान आंदोलनकारियों का समर्थन करती दिखी और केंद्र सरकार पर निशाना साधती रही, लेकिन अब उसी पंजाब सरकार ने किसानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर दी है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इस मामले पर कहा कि सरकार शंभू और खनौरी बॉर्डर को खोलना चाहती है, ताकि राज्य में सुचारू यातायात व्यवस्था बनी रहे। उनका यह भी कहना था कि किसानों को विरोध-प्रदर्शन के लिए दिल्ली जाना चाहिए, क्योंकि उनकी मांगें केंद्र सरकार से जुड़ी हुई हैं।

किसानों का कहना है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की किसानों से निजी खुन्नस हो सकती है, जिसकी वजह से यह कार्रवाई हुई है। मार्च की शुरूआत में पंजाब सरकार और किसान नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी, लेकिन कोई हल नहीं निकल सका। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर चंडीगढ़ में प्रदर्शन करने का ऐलान किया था, लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका विरोध किया। बैठक के दौरान किसानों और मुख्यमंत्री के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद भगवंत मान ने गुस्से में बैठक छोड़ दी और कहा कि अब कुछ नहीं होगा। इसके तुरंत बाद पंजाब पुलिस ने किसानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

इसके अगले ही दिन भगवंत मान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने बैठक छोड़ी थी और सरकार किसानों को हिरासत में लेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि किसानों को रेलवे ट्रैक और सड़कों पर धरना देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद पुलिस ने कई किसान नेताओं को उनके गांवों में ही रोक लिया। बलबीर सिंह राजेवाल और जोगिंदर उगराहां समेत कई बड़े किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद पंजाब पुलिस ने बॉर्डर पर भी कड़ा एक्शन लिया। इस पूरे घटनाक्रम से यह समझना मुश्किल हो रहा है कि क्या यह कार्रवाई केवल भगवंत मान की नाराजगी के कारण हुई या फिर इसके पीछे अरविंद केजरीवाल का भी कोई निर्देश था। अगर पंजाब सरकार को यह पता था कि किसानों की मांगें केंद्र सरकार से जुड़ी हैं, तो यह कार्रवाई पहले ही क्यों नहीं हुई? अगर सरकार पहले ही कदम उठा लेती, तो यह विवाद इतना बड़ा नहीं बनता। इससे आम आदमी पार्टी और भगवंत मान विपक्षी दलों के निशाने पर आने से बच सकते थे। विशेषज्ञों का मानना है कि पंजाब सरकार इस पूरे मुद्दे पर केंद्र सरकार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रही है। पहले भी ऐसा देखा गया था, जब कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री थे। उस समय उन्होंने किसानों को दिल्ली बॉर्डर पर भेज दिया था और केंद्र सरकार को ही इसका समाधान निकालने के लिए मजबूर कर दिया था। तब केंद्र सरकार को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था और अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। लेकिन इस बार मामला उल्टा नजर आ रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भगवंत मान और उनकी सरकार खुद ही इस विवाद को अपने सिर ले रही है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी हो रही है कि किसानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की एक वजह लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर संभावित उपचुनाव भी हो सकता है। खबरों के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल को लुधियाना के व्यापारियों से यह फीडबैक मिला था कि अगर किसानों का प्रदर्शन जारी रहा, तो वे आम आदमी पार्टी को वोट नहीं देंगे। इससे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा था। इसी कारण पंजाब सरकार ने बॉर्डर खाली कराने का फैसला लिया। हालांकि, यह उपचुनाव अभी कब होगा, इसका भी कोई ठोस संकेत नहीं मिला है। ऐसी भी संभावना थी कि बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव हो सकता है। अगर ऐसा होता, तो आम आदमी पार्टी किसानों से बातचीत कर इस मामले का शांतिपूर्ण हल निकाल सकती थी। लेकिन सरकार ने जल्दबाजी में किसानों के खिलाफ कार्रवाई कर दी, जिससे मामला और बिगड़ गया।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि हाल ही में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आया है। इसके अलावा दिल्ली हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल की जमानत को चुनौती दी है। ऐसे में कुछ लोग मान रहे हैं कि इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए भी यह कार्रवाई हो सकती है। पंजाब सरकार की इस कार्रवाई से आम आदमी पार्टी को राजनीतिक नुकसान हो सकता है। 2022 में किसानों के समर्थन के दम पर सत्ता में आई यह पार्टी अब उन्हीं किसानों के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है। ऐसे में किसान संगठनों की नाराजगी भविष्य में आम आदमी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, भगवंत मान सरकार ने इस मामले में जो जल्दबाजी दिखाई, वह नुकसानदायक साबित हो सकती है। अगर सरकार इस मसले को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर हल करने देती, तो पंजाब सरकार पर कोई दोष नहीं आता। लेकिन अब सरकार पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसानों के खिलाफ इतना सख्त एक्शन क्यों लिया गया। पूरे घटनाक्रम को देखते हुए कहा जा सकता है कि मामला पूरी तरह से राजनीतिक है और इसके पीछे कोई न कोई रणनीति जरूर है।

यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन दिल्ली ने कार्य के भविष्य और वैश्विक प्रतिभा पर उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा का आयोजन किया

मुंबई। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन दिल्ली ने एक प्रभावशाली पैनल चर्चा का आयोजन किया, जिसमें उद्योग जगत के दिग्गजों और शैक्षणिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस चर्चा में शिक्षा और कार्यबल के बीच तालमेल के बदलते आयामों पर गहन विमर्श किया गया। यह आयोजन दो प्रमुख विषयों पर केंद्रित था–वैश्विक प्रतिभा को नई परिभाषा देना और शिक्षा को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, साथ ही कार्य और शिक्षा के भविष्य को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से देखना।

इस चर्चा में प्रमुख वैश्विक संगठनों और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने बदलते रोजगार बाजार, आवश्यक कौशल की कमी और भविष्य की कार्यक्षमता की मांगों को पूरा करने में शिक्षा की भूमिका पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन दिल्ली, जो भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत पहला अंतरराष्ट्रीय परिसर है, अगस्त 2025 से विद्यार्थियों का पहला बैच स्वीकार करेगा। कार्यक्रम के पहले सत्र में यह विचार किया गया कि बदलते वैश्विक रोजगार बाजार की मांगों के अनुसार शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को किस प्रकार अनुकूलित किया जाए। चर्चा में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच की खाई को कैसे कम किया जाए, ताकि विद्यार्थी समसामयिक कौशल प्राप्त कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बन सकें।

जूनो ने की नई शुरूआत: नि:शुल्क बिल्ट-इन फीचर के रूप में 'पे हाउ यू ड्राइव' की पेशकश करने वाली पहली बीमा कंपनी बनी

मुंबई। जूनो जनरल इंश्योरेंस नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी है, जिसे पहले एडलवाइज जनरल इंश्योरेंस के नाम से जाना जाता था। कंपनी ने अपने इनोवेटिव पे-हाउ-यू-ड्राइव फीचर को अपने मुख्य मोटर इंश्योरेंस प्रोडक्ट के साथ जोड़कर जूनो स्मार्टड्राइव को लॉन्च किया है। जूनो जनरल इंश्योरेंस भारत में कार इंश्योरेंस में मोबाइल टेलीमेटिक्स की सुविधा देने वाली पहली बीमा कंपनी बन गई है, जो ग्राहकों को अतिरिक्त पैसे खर्च किए बिना सुरक्षित तरीके से ड्राइविंग के लिए रिवॉर्ड देगी। यह फ्लैगशिप प्रोडक्ट डेटा की मदद से ग्राहकों की जरूरत के अनुरूप कवरेज प्रदान करता है, जिससे लागत में बचत के साथ-साथ सुरक्षित ड्राइविंग के लिए रिवॉर्ड भी मिलता है। जूनो जनरल इंश्योरेंस ने इस इंडस्ट्री में पहली बार एक साहसिक कदम उठाते हुए पे हाउ यू ड्राइव को बिना किसी अतिरिक्त लागत के एक बिल्ट-इन फीचर के तौर पर पेश किया है, जिससे कार इंश्योरेंस में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। ये पहल अपने आप में अनोखी है, जिसके तहत अब जूनो मोटर इंश्योरेंस के सभी पॉलिसीधारकों को उचित, व्यक्तिगत और रिवॉर्ड पर आधारित प्राइसिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, जो सही मायने में उनके ड्राइविंग के तौर-तरीके पर आधारित होगी। जूनो का ढळ ऊ पहले केवल ऐड-ऑन के रूप में उपलब्ध था, लेकिन अब यह सुविधा सभी नई और रिन्यू की गई कार इंश्योरेंस पॉलिसियों के साथ उपलब्ध है। ग्राहक अब जूनो ऐप में मौजूद मोबाइल टेलीमैटिक्स के जरिये अपने ड्राइविंग स्कोर पर नजर रख सकते हैं, जिससे सुरक्षित तरीके से ड्राइविंग उनके लिए पहले से कहीं अधिक फायदेमंद बन जाती है।

कैरेटलेन की इटर्निटी कलेक्शन इटर्निटी कालातीत लक्जरी का हीरे जड़ित सम्मान

मुंबई। टाटा उत्पाद कैरेटलेन ने प्रस्तुत किया है 'इटर्निटी' यह शानदार नया कलेक्शन हर दिन की लक्जरी की नयी परिभाषा करने के लिए डिजाइन किया गया है। बहुत ही बेहतरीन टेनिस कंगन, हार और झुमके इसमें शामिल हैं। अनूठी फ्लुइडिटी और आराम के साथ इस कलेक्शन ने क्लासिक डायमंड आभूषणों को और भी बेहतर बनाया है। हर आभूषण प्रेमी आसानी से खरीद सके ऐसी कीमतों के साथ कैरेटलेन का इटर्निटी कलेक्शन उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो प्रतिष्ठित शैली को अपनाने में कोई भी समझौता नहीं करना चाहते हैं। यह कलेक्शन लक्जरी को एक अनुभव के रूप में नए सिरे से परिभाषित करता है। आपके हर दिन को शानदार बनाने वाला सहज मिलाप आप इसमें पा सकते हैं। इस प्राइस रेंज में इटर्निटी आभूषण पेश करके यह कलेक्शन बाजार में मौजूद कमी को पूरा करता है। 'इटर्निटी' के आने से कालातीत सोफिस्टिकेशन को पाना पहले से कही अधिक सुलभ हो गया है। श्री सौमेन भौमिक, सीईओ-एमडी, कैरेटलेन ने कहा, समकालीन ट्विस्ट के साथ क्लासिक को फिर से पेश करने का लक्ष्य सामने रखते हुए हमें इटर्निटी कलेक्शन प्रस्तुत किया है। यह कलेक्शन आधुनिक आभूषण पहनने वालों के लिए है-कोई ऐसा व्यक्ति जो सोफिस्टिकेशन की सराहना करता है लेकिन आराम और बहुमुखी प्रतिभा को भी महत्व देता है। हमने टेनिस ज्वेलरी की कालातीत अपील में नवाचार को शामिल किया है, जिससे हमने ऐसे आभूषण प्रस्तुत किए हैं, जो हर रोज पहनने के लिए बेहतरीन हैं। प्रत्येक पीस को एक लचीली स्ट्रिंग पर हीरे की एक स्ट्रैंड के साथ सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है, जो एक सहज और हल्का प्रभाव पैदा करता है, मानो यह पहनने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व का स्वाभाविक विस्तार हो! सटल स्टेटमेंट के लिए सोलो पहना जाए या अधिकतम प्रभाव के लिए स्टैक किया जाए, कैरेटलेन इटर्निटी कलेक्शन सहज सोफिस्टिकेशन और कालातीत इच्छा को सम्मानित करता है।

ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज एवं राजस्थान रॉयल्स ने भारत में सोलर एनर्जी के अडॉप्शन को बढ़ाने के लिए अपनी साझेदारी को बनाया मजबूत

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी ऊर्जा समाधान कंपनी ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज रॉयल स्पोर्ट्स ग्रुप के स्वामित्व की फ्रैंचाइज राजस्थान रॉयल्स के साथ अपनी मजबूत साझेदारी को जारी रखते हुए टी-20 प्रीमियर लीग के आगामी 18वें सीजन के लिए भी टाइटल पार्टनर रहेगी। इस साझेदारी के तहत कंपनी सस्टेनेबिलिटी की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए देश भर में सोलर अडॉप्शन के लिए विभिन्न पहलों का लॉन्च करेगी।

कार्यक्रम के दौरान राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों संजू सैमसन, नितिश राणा एवं तुषार देशपांडे तथा राजस्थान रॉयल्स के सीईओ जेके लश मैकक्रम और ल्यूमिनस की लीडरशिप टीम से प्रीति बजाज, नीलिमा बुर्रा, अमित शुक्ला एवं शिखा गुप्ता ने ल्यूमिनस के आधुनिक सोलर एवं एनर्जी समाधानों की नई रेंज का अनावरण किया, जो ऊर्जा के स्वच्छ विकल्पों के साथ उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के कंपनी के मिशन के अनुरूप हैं। ल्यूमिनस ने इन्वर्टर की नई स्लीक एवं आकर्षक डिजाइन रेंज- ईवीओ इन्वर्टर सीरीज और जेलियो एस इन्वर्टर सीरीज के लॉन्च की योजना भी बनाई है। इसके अलावा कंपनी की प्रोडक्ट रेंज में ईऑन टॉपकॉन सोलर पैनल, उद्योग जगत में बदलाव लाने वाली जैल बैटरी टेक्नालॉजी- एम्पबॉक्स रेंज भी शामिल है, इन सभी को भारत में मौसम की चरम परिस्थितियों में बेजोड़ दक्षता, स्थायित्व और परफोर्मेन्स के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, ल्यूमिनस ने देश भर में रूफटॉप सोलर अडॉप्शन को बढ़ावा देने के लिए 360 डिग्री मार्केटिंग कैंपेन का अनावरण भी किया और अपने आप को भारत के सोलर एक्सपर्ट के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है।

तारापुर में सीआईएसएफ कोस्टेल साइक्लोथोन 2025 राइडर का किया गया जोरदार स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सीआईएसएफ कोस्टेल साइक्लोथोन 2025 राइडर की टीम को गुजरात राज्य के भुज से भारत के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 7 मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। सीआईएसएफ जवानों को सायकल रैली कन्याकुमारी के लिए सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडर विभूति प्रतिहार के नेतृत्व में रवाना हुई। इस रैली में कुल 74 सायकल सवारों ने हिस्सा लिया। जिसमें डिप्टी कमांडर, असिस्टेंट कमांडर, सीआईएसएफ जवानों के साथ 4 महिला जवान भी शामिल हैं। यह सायकल रैली समुद्र तट मार्ग से गुजरात राज्य के भुज से निकलकर कंडला बंदर, मोरबी, दीव, दमन होते हुए महाराष्ट्र राज्य के दहानू मार्ग से तारापुर में पहुंची। सायकल रैली के तारापुर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। शिवशक्ति पब्लिक स्कूल बोईसर के विद्यार्थियों ने लेझिम के साथ रैली में शामिल सायकल सवारों का मुख्य रास्ते से कार्यक्रम स्थल तक उत्साह पूर्वक पहुंचाया। सायकल रैली का स्वागत करते हेतु सीआईएसएफ के कमांडर आशीष सिंघल ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एनपीसीआईएल के साइट डायरेक्टर आर.एस.सावंत, सीआईएसएफ के कमांडर आशीष सिंघल, डिप्टी कमांडर, तटरक्षक दल के असिस्टेंट कमांडर के.रामकृष्ण, जेएसडब्ल्यू बोईसर के मुख्य अजय खंडेलवाल, पंख फाउंडेशन के फाउंडर मनपति कौर, फ्लाइंग सायकल ग्रुप की सरिता जोरिली, रिया पिंपले,

पत्रकार, सीआईएसएफ के सभी वरिष्ठ अधिकारी, जवान व उनके परिवारजनों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। सीआईएसएफ के कमांडर आशीष सिंघल ने सायकल रैली के स्वागत समारोह में बोलते हुए कहा कि सीआईएसएफ के स्थापना सन 1969 में केवल 2800 सैनिकों से की गई थी। आज करीब 359 स्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ के जवानों को सौंपी गई है। वहीं सीआईएसएफ के जवानों द्वारा प्राइवेट सेक्टर में भी सुरक्षा दी जा रही है। 7 मार्च 2025 को भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षित तट समृद्ध भारत की थीम के साथ हरी झंडी दिखाकर सायकल रैली को रवाना किया था। इस ऐतिहासिक रैली को दो भागों में विभक्त किया गया। पहला पश्चिमी समुद्री तट भुज से तथा दूसरा पूर्वी समुद्री तट पश्चिम बंगाल की खाड़ी से कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल के बीच कुल 6553 किलोमीटर का अंतर पार करेगी। इसमें कुल 124 सवारों ने हिस्सा लिया है जिसमें 14 महिला सायकल सवारों ने भी हिस्सा लिया है। इस रैली का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, सामुदायिक भावना, नशे के विरुद्ध जागरूकता और समुद्री तट क्षेत्र के जनसमुदाय व सुरक्षा संघटन के प्रति मजबूत सामंजस्य स्थापित करते हुए 31 मार्च 2025 को सायकल रैली का समापन हो जायेगा। इस अवसर सभी उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। एनपीसीआईएल के साइट डायरेक्टर आर.एस.सावंत ने आये हुए सभी सायकल सवारों को शुभकामनाएं देते उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडर विभूति प्रतिहार ने अपने सायकल रैली के अनुभव को साझा करते हुए सभी लोगों से संगठित रहने की अपील की तथा सायकल रैली में शामिल सभी जवानों का स्वागत और लोगों द्वारा मिल रहे प्रतिसाद को रैली को सफल बताया। कार्यक्रम के अंत में तारापुर बीएआरसी के सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडर मृत्युंजय ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सीआईएसएफ जवानों की सायकल रैली को आगे के चरण को पार करने हेतु एनपीसीआईएल के साइट डायरेक्टर आर.एस. सावंत, जेएसडब्ल्यू बोईसर मुख्य अजय खंडेलवाल, सीआईएसएफ कमांडर आशीष सिंघल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बुजुर्ग महिला ने डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी में गंवाए 20 करोड़ रुपये, तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई। दक्षिण मुंबई में रहने वाली 86 वर्षीय एक महिला ने डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी के दौरान दो महीने में 20 करोड़ रुपये से अधिक गंवा दिये। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि जालसाजों में से एक ने महिला से पैसे ऐंठने के लिए खुद को सीबीआई अधिकारी बताया था। पुलिस के अनुसार, 26 दिसंबर 2024 से इस साल तीन मार्च के बीच अंजाम दिये गए इस अपराध के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने पीड़िता को दो महीने तक घर पर ही रहने को मजबूर किया और हर तीन घंटे में फोन कर प्रतिदिन उसकी लोकेशन जानते रहे। उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस ने उन बैंक खातों की पहचान करके महिला के 77 लाख रुपये के निकालने पर रोक लगाई, जिनमें धन हस्तांतरित किया गया था।

इस महीने की शुरूआत में महिला द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, उसे एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद के सीबीआई अधिकारी होने का दावा किया और उसे बताया कि उसके आधार कार्ड के जरिये एक बैंक खाता खोला गया है और उसका इस्तेमाल धनशोधन के लिए किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद उस व्यक्ति ने महिला से कहा कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है और उसे अपने कमरे में ही रहना चाहिए। उसने उसे डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी भी दी। उसने महिला के परिवार के सदस्यों को भी गिरफ्तार करने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि महिला के घर पर काम करने वाली एक घरेलू सहायिका ने उसके व्यवहार में बदलाव आने की जानकारी उसकी बेटी को दी।

फर्जी किसान प्रमाणपत्र के आधार पर आदिवासियों की जमीन हड़पने का मामला

तहसीलदार ने कहा हमारे यहां से फर्जी किसान प्रमाणपत्र नही बना

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण तालुका के कांबा गांव में फर्जी किसान प्रमाणपत्र के आधार पर आदिवासियों की जमीन हड़पने का मामला सामना आया है। परहित चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष विशालकुमार गुप्ता ने आरोप लगाया कि कुछ भूमाफियाओं ने कल्याण तहसीलदार कार्यालय की मिलीभगत से नकली किसान प्रमाणपत्र दिखाकर गरीब आदिवासियों की जमीन पर कब्जा जमा लिया। इस प्रकरण में उन्होंने कोंकण विभाग के विभागीय महसूल आयुक्त को पत्र के द्वारा मामले की निष्पक्ष जांच करने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

इस विषय में विशालकुमार गुप्ता ने बताया कि मौजे कांबा की सर्वे नंबर 35,52,64,77,125 की कुल 464 एकड़ जमीन आदिवासियों की है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि संजय शहा और उनके कुछ साथियों ने फर्जी किसान प्रमाणपत्र बनाकर और खुदको किसान बताकर आदिवासियों की जमीन हथियाली। उन्होंने सवाल किया कि जो लोग किसान है ही नहीं, तो प्रशासन उनके हक में निर्णय कैसे दे सकता है? गुप्ता का आरोप है कि जानकारी मुहैया कराने के बावजूद भी कल्याण तहसीलदार मामले में कोई जांच नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि गरीब आदिवासियों की कोई सुनवाई

नहीं हो रही है,इससे जाहिर होता है कि इसमें मामले में अनैतिक लेनदेन हुआ होगा। तो वहीं कल्याण के तहसीलदार ने कहा कि यह मुद्दा हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक गया था। इस मुकदमे में कई याचिकाएं दायर की गई थी। उन्होंने कहा यह भी कहा कि दोनों पक्षकारों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने समझौते का आदेश दिया। उस आदेश का पालन करते हुए तहसीलदार कार्यालय द्वारा आगे की कार्रवाई की जा चुकी है। वहीं फर्जी किसान प्रमाणपत्र पर बोलते हुवे तहसीलदार ने कहा कि फर्जी किसान पत्र कल्याण से नही बनाया गया। हमने सारी बातें कोर्ट के सामने रखी है । यदि कोर्ट का निर्णय दुबारा आता है तो हम कोर्ट को जवाब देने के लिए तैयार है।

बीएमसी के शिक्षक अशोक कुमार सिंह को मिला महापौर पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग में कार्यरत आदर्श शिक्षक अशोककुमार सिंह को 18 मार्च को अण्णाभाऊ साठे नाट्यगृह ,भायखला मैं आयोजित एक भव्य समारोह में शिक्षणाधिकारी राजेश कंकाल के हाथों महापौर पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार के रूप में उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह तथा 11000 रुपए प्रदान किए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (शिक्षण) डॉ अमित सैनी, उपायुक्त (शिक्षण) प्राची जांभेकर, उप शिक्षणाधिकारी सुजाता खरे, उप शिक्षणाधिकारी निसार खान समेत सभी अधिकारी उपस्थित रहे। उन्हें यह पुरस्कार उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को देखते हुए प्रदान किया गया है। अशोककुमार सिंह

इस समय भरुचा रोड मनपा हिंदी शाला क्रमांक 2 में मुख्याध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पुरस्कार वितरण समारोह में उनके साथ उनकी धर्मपत्नी इंदू सिंह के अलावा उनके रिश्तेदार - प्रवीण बंशराज सिंह, राहुल बंशराज सिंह, पुत्र अविनाश सिंह ,बहू नेहा सिंह उपस्थित रहे। उन्हें यह पुरस्कार दिए जाने पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, शिक्षक सभा के महासचिव शरद सिंह, शिक्षक नेता नरेंद्र सिंह, शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष केपी सिंह चौहान, दुर्गा प्रसाद मिश्र, ब्रह्मदेव मिश्रा, प्रधानाध्यापिका मीना प्रशांत कवळे, ज्ञान शंकर सिंह, राजेश कुमार तिवारी, ज्योति शर्मा, मीरा यादव, अरविंद सिंह, जितेंद्र कुमार तिवारी, श्याम नंदन यादव, विनोद त्रिपाठी, छाया चित्रकार, उमाशंकर पांडे आदि ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

जेलियो ई मोबिलिटी ने 'लिटिल ग्रेसी' लॉन्च की

मुंबई। भारत के इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अग्रणी शक्ति, जेलियो ई मोबिलिटी ने अपना नवीनतम मॉडल, लिटिल ग्रेसी लॉन्च किया है, जो एक कम गति वाला, गैर-आरटीओ इलेक्ट्रिक स्कूटर है जिसे विशेष रूप से 10-18 वर्ष के युवा सवारों के लिए डिजाइन किया गया है। यह नया प्रस्ताव कंपनी के पोर्टफोलियो में एक उल्लेखनीय जोड़ है, जो सुरक्षा और दक्षता पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक युवा जनसांख्यिकी को लक्षित करता है। चूंकि लिटिल ग्रेसी के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है, यह छात्रों और युवा वयस्कों के लिए एक विश्वसनीय, पर्यावरण-अनुकूल और सुविधाजनक परिवहन का आदर्श विकल्प है। लिटिल ग्रेसी तीन वेरिएंट में उपलब्ध है, जिसकी कीमत किफायती रु. 49,500 (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। वेरिएंट को उनके बैटरी विकल्पों द्वारा अलग किया गया है, जो विभिन्न ग्राहक प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अलग-अलग रेंज और चार्जिंग समय प्रदान करते हैं। 48श/32अळ लेड एसिड बैटरी रु. 49,500 की कीमत पर 7-8 घंटे के चार्जिंग समय के साथ 55-60 किमी की रेंज प्रदान करती है। 60श/32अळ लेड एसिड बैटरी रु. 52,000 की कीमत पर, 7-9 घंटे के चार्जिंग समय के साथ 70 किमी की रेंज प्रदान करती है। 60श/30अळ लिथियम-आयन बैटरी रु. 58,000 की कीमत पर, 8-9 घंटे के चार्जिंग समय के साथ 70-75 किमी की रेंज प्रदान करती है।

जेलियो ई मोबिलिटी लिमिटेड के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री कुणाल आर्य ने कहा, लिटिल ग्रेसी के लॉन्च के साथ, हम एक ऐसे उत्पाद को पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो न केवल स्टाइलिश और कार्यात्मक है, बल्कि युवा सवारों के लिए टिकाऊ परिवहन को सुलभ भी बनाता है। हमारा लक्ष्य हमेशा भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना रहा है, और लिटिल ग्रेसी हमें एक कदम नजदीक लाती है। यह एक पर्यावरण-अनुकूल, किफायती और लाइसेंस-मुक्त स्कूटर है जो हमारे युवा दर्शकों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करता है, साथ ही नवाचार और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

डॉ. रवींद्र मिश्रा महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से हुए सम्मानित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सामाजिक सेवा, मानवाधिकार संरक्षण और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. रवींद्र मिश्रा को ₹महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार₹ से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें एंटी करप्शन बोर्ड (रजि.), नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रथम राज्य स्तरीय अधिवेशन एवं गुणगौरव समारोह में प्रदान किया गया। इस सम्मान समारोह का आयोजन महाराष्ट्र के प्रसिद्ध शहर नाशिक के बंकेट हॉल, होटल संस्कृती, घोटी रोड, सिन्नर में किया गया, जहां देशभर से कई गणमान्य हस्तियों ने भाग लिया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए, जिन्होंने समाज सेवा, भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों, महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकार संरक्षण और पत्रकारिता में विशेष योगदान दिया है।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैप्टन अशोक कुमार खरात, श्री आनासाहेब खैरनार (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), कर्नल साहेबराव शेडके, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, शिक्षाविद्, और अन्य सम्मानित हस्तियां उपस्थित रही।

बतादें कि डॉ. रवींद्र मिश्रा राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव होने के साथ-साथ भारतीय प्रेस आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। वर्षों से वे समाज सेवा, महिला एवं बाल अधिकार संरक्षण और पत्रकारिता में निःस्वार्थ रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों, समाज में जागरूकता कार्यक्रमों और जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनकी संस्थाओं ने हजारों लोगों को न्याय दिलाने में मदद की है, चाहे वह घरेलू हिंसा के शिकार लोग हों, बाल श्रम में फंसे मासूम बच्चे हों या फिर समाज में शोषित और वंचित वर्ग के लोग हों।1. मानवाधिकार संरक्षणः उन्होंने हजारों पीड़ितों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2. महिला सशक्तिकरणः महिलाओं को कानूनी सहायता, शिक्षा और रोजगार दिलाने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया। 3. बाल अधिकारों की रक्षाः बाल श्रम, शोषण और अशिक्षा के खिलाफ कई प्रभावी अभियानों का नेतृत्व किया। 4. भ्रष्टाचार विरोधी अभियानः सरकारी तंत्र में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए कई आंदोलन किए। 5. पत्रकारिता में योगदानः स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता को

बढ़ावा देते हुए, उन्होंने सच्चाई को उजागर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने के बाद डॉ. मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह पुरस्कार न केवल मेरा व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि उन सभी लोगों की मेहनत और संघर्ष का प्रतीक है जो समाज में न्याय और सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे हैं। यह सम्मान मुझे और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।₹ उन्होंने यह भी कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए केवल सरकार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हमें स्वयं आगे आकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी होगी। उनका मानना है कि हर नागरिक को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए, ताकि एक मजबूत और न्यायसंगत समाज का निर्माण हो सके। इस पुरस्कार समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. रवींद्र मिश्रा के प्रयासों की सराहना की और उनके सामाजिक कार्यों को देश के लिए प्रेरणादायक बताया। कैप्टन अशोक कुमार खरात ने कहा, ₹डॉ. रवींद्र मिश्रा ने समाज के वंचित वर्गों की सहायता करने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जो योगदान दिया है, वह सराहनीय है। यह पुरस्कार उनके अथक परिश्रम और निस्वार्थ सेवा का साक्षी है।₹ आनासाहेब खैरनार (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ₹आज हमें ऐसे समाजसेवकों की आवश्यकता है, जो निष्पक्ष रूप से लोगों की मदद करें और न्याय के लिए संघर्ष करें। डॉ. मिश्रा की यह यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।₹ कर्नल साहेबराव शेडके ने कहा, ₹देश की प्रगति तभी संभव है जब हम अपने समाज के वंचित और शोषित लोगों की मदद करें। डॉ. मिश्रा ने इसे अपनी प्राथमिकता बनाई और आज वह इस सम्मान के वास्तविक हकदार हैं।₹ इस पुरस्कार को प्राप्त करने के बाद, डॉ. मिश्रा ने भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में वे समाज सेवा के कार्यों को और अधिक व्यापक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। उनकी योजनाओं में शामिल हैंः- महिला और बाल सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन शुरू करना।अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए शिक्षण संस्थानों की स्थापना। ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी सहायता केंद्रों की संख्या बढ़ाना। युवाओं को भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों में शामिल करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम। पत्रकारिता के क्षेत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष रिपोर्टिंग को बढ़ावा देना। यह कार्यक्रम बेहद भव्य और प्रेरणादायक रहा। इसमें महाराष्ट्र और भारत के विभिन्न हिस्सों से आए सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों और मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। समारोह के अंत में, डॉ. रवींद्र मिश्रा ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मान उन्हें और अधिक सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करेगा।

वित्तीय स्वतंत्रता, आपके अपने तरीके से टाटा एआईए ने स्मार्ट सुरक्षा और विकास के लिए लॉन्च किया शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान

मुंबई/पटना। जीवन सपनों से भरा है- घर खरीदना, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए पैसे जुटाना, शानदार छुट्टियों की योजना बनाना या चिंता मुक्त सेवानिवृत्ति का आनंद लेना। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय सुरक्षा काफी नहीं है, आपको चाहिए एक ऐसी योजना जो आपकी आवश्यकताओं के अनुसार बदलती रहे। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने टाटा एआईए शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान लॉन्च किया है। यह एक नया जीवन बीमा बचत समाधान है जो वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति बनाने के लिए एक लचीला दृष्टिकोण देता है। इस प्लान को आपके साथ विकसित होने के लिए डिजाइन किया गया झ लचीलापन इसकी विशेषता है शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग जीवन बीमा बचत योजना है। इसमें आपको अपनी अनूठी आकांक्षाओं के आधार पर अपनी वित्तीय योजना को अनुकूलित करने का अधिकार मिलता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कोतवाली पुलिस ने 3 अंतरराष्ट्रीय शातिर चोरों को चोरी की मोबाइल व उपकरणों के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा प्र0नि0 कोतवाली के कुशल नेतृत्व में दिनांक 19.03.2025 को थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर रसूलाबाद भण्डारी रोड से चोरी के 15 मोबाइल व चोरी के उपकरण के साथ तीन अंतरराष्ट्रीय चोरों को गिरफ्तार किया गया ।जिनका नाम क्रमशः 1-अंजय कुशवाहा उर्फ रंजय पुत्र कपिलदेव महतो नि0 विशुनपुर कस्बा टोला थाना झरोखर जिला पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) बिहार, 2- अनीश कुशवाहा पुत्र कामेश्वर महतो नि0 महुआई थाना घोडासहन जिला पूर्वी चम्पारण बिहार, व 3- मो0 अमानुल्लाह पुत्र मो0 हुसैन उर्फ मसेन दिवान नि0 दर्जी मोहल्ला वार्ड नं0- 11 घोडासहन थाना घोडासहन जिला पूर्वी चम्पारण, बिहार, होना पाया गया। इन अपराधियों द्वारा दिनांक 11/12.03.25 की रात्रि में ओलन्दगंज स्थित

रवि कम्म्यूनिकेशन मोबाइल शॉप से शटर को काटकर मोबाइल चोरी किया आरोपी की शिनाख्त सीसीटीवी मे कैद होने के फलस्वरूप पुलिस की दो टीमे बनायी गयी क्रमशः पूर्वी चम्पारण, बिहार तथा थाना स्थानीय स्तर पर लगायी गयी थी, एस0पी0 महोदय के कुशन निर्देशन के परिणाम स्वरूप आरोपी को चोरी की गई मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसकी कीमत लगभग 600000/- (छह लाख रुपए) है। आरोपीगण द्वारा नेपाल, हरियाणा, दिल्ली, उ0प्र0, बिहार में गैग बनाकर बडी चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है। अभियुक्त अंजय कुशवाहा नेपाल के जेल में चोरी के मामले में चार साल बन्द रहा है। इनके चोरी करने का तरीका तेज ब्लेड कटर से शटर को काटकर मोबाइल, घडी की दुकानों पर चोरी करने का कार्य किया जाता है। रवि कम्यूनिकेशन मोबाइल शॉप ओलन्दगंज में चोरी के संबंध में थाना स्थानीय पर पूर्व में मु0 अ0 सं0 64/2025 धारा 331(4)/305 बीएनएस पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्तगण उपरोक्त के कब्जे से चोरी की 15(पनद्रह मोबाईल) व चोरी के उपकरण 01 लोहे का कटर व 01 पेचकस, 01 पीठू बैग बरामद किये गये। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर नियमानुसार आवश्यक विधिक कायार्वाही कर आरोपीगण उपरोक्त को न्या0 के समक्ष भेजा जा रहा है।

पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति का 24 घंटे के भीतर खाते में वापस कराया 99589 रुपये

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर/साइबर क्राइम नोडल अधिकारी श्री आयुष श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी नगर देवेश सिंह के निर्देशन व पर्यवेक्षण में साइबर थाना जौनपुर द्वारा पीडित राहुल यादव के द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत कि मुझे झाँसे में लेकर मेरे बैंक आफ बडौदा के खाते से 99589 रुपये की आनलाइन ठगी कर ली गयी है। उक्त सूचना पर साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक के बैंक व समबन्धित मर्चेन्ट एजियो कम्पनी से समन्वय स्थापित करते हुए कुल 99589 रुपये की धनराशि होल्ड करायी गयी व होल्ड धनराशी को 24 घंटे के अन्दर पीडित के खाते में पुनः वापस कराया गया।

साइबर क्राइम से प्रभावित व्यक्ति का

विवरणः 1.राहुल यादव पुत्र मयाशंकर यादव निवासी ग्राम नाऊपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर उत्तर प्रदेश। अपराध का तरीका, आवेदक को दिनांक 19.03.2025 को फ्राड मोबाइल नम्बर से फोन करके कान्फ्रेन्स में गाँव की आशा को लेकर आवेदक को झाँसे में लेकर सुमंगला योजना का लाभ दिलाने के नाम पर 99589 रुपये की धोखाधडी की गयी थी। जिसकी शिकायत आवेदक ने साइबर क्राइम पोर्टल व साइबर क्राइम थाने पर आकर किया। जिसमें साइबर क्राइम पुलिस थाना की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित बैंक /मर्चेन्ट से समन्वय स्थापित कर धनराशि को 24 घंटे के भीतर ठगी का 99589 रुपये आवेदक के खाते में वापस कराया गया है। आवेदक द्वारा ठगी में चला गया पैसा पुनः प्राप्त होने पर जौनपुर पुलिस का धन्यवाद दिया गया।

साइबर अपराध से बचाव के उपाय

साइबर अपराध के प्रति जागरुकता ही बचाव है। साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर फोन कर शिकायत दर्ज करें अथवा बेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर आनलाइन शिकायत पंजीकृत करें या अपने नजदीकी थाने की साइबर हेल्पडेस्क पर पहुँच कर लिखित शिकायत करें।

जनपदीय समागम में विजेता बना सल्तनत बहादुर महाविद्यालय

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपदीय समागम-2025 का आयोजन सहकारी पी.जी.कालेज मिहरावां,जौनपुर में सम्पन्न हुआ। सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर रेंजर्स प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके विजेता बना। मोहम्मद हसन कालेज को द्वितीय स्थान मिला। रोवर्स प्रतियोगिता में मोहम्मद हसन कालेज प्रथम तथा सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सल्तनत बहादुर महाविद्यालय के रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ.कर्मचन्द यादव एवं डॉ.रेखा मिश्रा ने रोवर्स-रेंजर्स छात्र-छात्राओं के साथ मुख्य अतिथि प्रबंधक राजीव कुमार सिंह से विजेता ट्राफी ग्रहण किया। सल्तनत बहादुर महाविद्यालय के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, प्रबंधक श्याम सिंह, प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह सहित महाविद्यालय परिवार ने प्रभारी और छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित किया।

कार बेचने का लाचल देकर लूटने में सात गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा पुलिस द्वारा आनलाईन प्लेटफार्म पर अर्टिका कार बेंचने का लालच देकर लोगो को फंसा कर पैसा छीनने वाले गिरोह के सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि थानाध्यक्ष बक्शा के नेतृत्व में आनलाईन प्लेटफार्म से अर्टिका कार बेंचने का लालच देकर लोगो को फंसा कर बन्धक बनाकर पैसा छानने वाले गिरोह को पदार्फास करते हुए गिरोह के सभी सात सदस्यो को गिरफ्तार कर लिया गया है ।इस गिरोह का सरगना जितेन्द्र यादव आनलाईन प्लेटफार्म के माध्यम से अर्टिका कार सस्ते व लुभावने दाम में बेंचने का प्रचार किया जाता है ।जिससे भोले भाले लोग सस्ता व लुभावना अवसर पाकर इनके जाल में फंस जाते है, और कार खरीदने हेतु उनसे आनलाईन प्लेटफार्म के माध्यम से कॉलिंग करके सम्पर्क करते हुए फिर इस गिरोह के सदस्य लोगो से बाते करके उन्हे अपने पास बुलाते है, और कार दिखाने के नाम पर सुनसान इलाके में ले जाते है ।यदि कोई सुनसान इलाका देखकर विरोध करने का प्रयास करता है तो उसे अपने पास लिये हुए लोहे के सीकड व रस्सी से बांध देते है, और उस व्यक्ति को रास्ता न दिखायी दे इसलिए आँखो पर चश्मा लगा देते है। जिसके शीशे पर कागज चिपका रहता है तो रास्ता दिखायी नहीं देता है। फिर सुनसान इलाके मे ले जाकर उन व्यक्तियो को मार पीट कर जान का भय दिखाकर सारा पैसा ले लेते है।

उक्त गिरोह द्वारा बीते 18 मार्च को झांसी के एक व्यक्ति को भी इसी प्रकार अर्टिका कार बेंचने का लुभावना ऑफर देकर जनपद जौनपुर बुलाया गया फिर कार दिखाने के नाम पर सुनसान इलाके मे ले गये और उन्हे अपने पास लिये हुए लोहे की सीकड व रस्सी से बाँध कर बन्धक बनाकर मारा पीटा गया तथा जान का भय दिखाकर उनका 24 हजार रूपया ले लिया गया। पीडित द्वारा थाना बक्शा पर दिये गये तहरीर के आधार पर मुकदमा अज्ञात अभियुक्तो के विरूद्ध पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना उपनिरीक्षक सकलदीप सिंह चौकी प्रभारी फतेहगंज को सुपुर्द किया गया है। मुखबिर खास की सूचना पर गढासैनी पुल के पास से रात्रि में उक्त गिरोह के सभी सदस्यो को गिरफ्तार कर लिया गया तथा गिरफ्तार आरोपी के पास से 11हजार रुपए व लोहे की 03 सीकड़ 01 नायलान की रस्सी, 03 चश्मा बरामद किया गया तथा 01 आरोपी राजन के पास से 01 तमन्चा, कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपीगण में जितेन्द्र प्रसाद यादव पुत्र स्व. रामअजोर यादव निवासी ग्राम धरौली थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ, राजन यादव पुत्र महावीर यादव निवासी ग्राम अलहदिया थाना तेजीबाजार जौनपुर, कुलदीप गौतम पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम उमरछा थाना बक्शा, जौनपुर, राकेश कुमार गौतम पुत्र रामफेर मास्टर निवासी उटरूखुर्द थाना बक्शा, जौनपुर, सुनील प्रजापति पुत्र रामतीरथ प्रजापति निवासी उटरूखुर्द थाना बक्शा, जौनपुर विजय पाल उर्फ नाटे पाल पुत्र इन्दर पाल निवासी ग्राम मोहवतिया थाना तेजीबाजार, जिला जौनपुर, विशाल गौतम उर्फ टोनू पुत्र उदयराज गौतम निवासी ककोहिया थाना सिकरारा जनपद जौनपुर को सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया।

पेन्ट एसोसिएशन संघ का होली मिलन कार्यक्रम संपन्न

अभिताश गुप्ता, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पेन्ट एसोसिएशन संघ ने होली मिलन प्रोग्राम का आयोजन किया। संस्था के अध्यक्ष विजय गुप्ता ने सबको

होली की बहुत ढेर सारी बधाई दी और महामंत्री शशांक जायसवाल और कोषाध्यक्ष शुभम अग्रहरी ने संस्था के संरक्षक विनय मौर्य, अमरनाथ अग्रहरि, ओमप्रकाश अग्रहरि, राधे रमण जायसवाल का जोरदार स्वागत किया और कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता ने किया और रोशी सोनकर ने बहुत शानदार स्वागत किया। संस्था के सभी सदस्यों ने अबीर और फूलों की होली राधा कृष्ण के साथ खेली और एक जुट होकर समाज को दिखाया। होली का त्योहार सबको मिलजुल कर एक साथ मनाना चाहिये। यह संदेश पेंट संस्थान ने समाज को दिया इस मौके पर हमारे सदस्य राहुल मौर्य, रवि अग्रहरि, ऋषि, अभिषेक गुप्ता, बाबूराम यादव, अवधेश मौर्य, संदीप सोनकर, आशीष श्रीवास्तव, डब्बू राय, मुन्ना गुप्ता, हरिओम गुप्ता, भुवनेंद्र यादव, ज्ञानचंद, सुधीर मौर्य, दीपचंद प्रमोद मौर्या, मुकेश कुमार, अभिषेक गुप्ता, सुधीर मौर्य, बंटी, छितिज, प्रीतम कुमार, अपूर्व शुक्ला एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

खलीलपुर में गायब वृद्धा की लाश कुएं में पाए जाने से हड़कंप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव में पीपल के पेड के नीचे बने कुएं में 63 वर्षीय वृद्धा का शव मिलने के बाद हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में शव को रखवाकर विधिक कार्रवाई किया। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव में बुधवार की शाम कुएं के समीप पत्तल बीनने गए एक युवक को पेड के नीचे बने कुआं से दुर्गंध आने की आशंका हुई। तो उसने पास जाकर देखा कि कुएं के अंदर एक लाश पड़ी हुई थी। इसके बाद युवक ने शोरगुल मचाना शुरू कर दिया, थोडी देर बाद शोर की आवाज सुनते ही आसपास के लोग एकत्रित हो गए और घटना की जानकारी पुलिस की दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला और लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि करीब एक माह पूर्व 21 फरवरी को धौरईल गांव की 63 वर्षीय चंद्रावती देवी दोपहर करीब 12 बजे अपने घर से अचानक कहीं चली गयी थी लोगों ने काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद परिजनों ने खोजबीन के लिए सरायख्वाजा थाने पर तहरीर दी थी। कुएं में लाश मिलने की सूचना के बाद परिजनों ने मौके पर पहुंच कर देखा तो वृद्ध महिला की पहचान चंद्रावती देवी के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि बीते कुछ दिन से चंद्रावती की तबीयत खराब चल रही थी जिससे उसका मानसिक संतुलन सही नहीं था ।थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त करा लिया गया है विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सामाजिक समरसता गतिविधि द्वारा मनाया गया होली मिलन समारोह

अमित तिवारी, सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र में रंग पंचमी के अवसर पर मनायी गयी फूलो की होली कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अवधेश कुमार पाण्डेय जिला सामाजिक समरसता संयोजक जौनपुर ने कहा होली सामाजिक समरसता का पर्व है। होला शब्द से होली शब्द बना है जब खेतो मे गेंहू की बाली तैयार होती है गेंहू की बाली को होला बोलते है होलिका दहन वर्ष मे एक बार होने वाला गांव का बड़ा यज्ञ है जिसमे गांव के लोग मिलकर यज्ञ मे जो नये फसल तैयार होते है वह यज्ञ भगवान को समर्पित करते है इसके बाद फूल से रंग को एक दुसरे को लगाकर उत्सव मनाते है। हमे समाज मे एक दुसरे से मिलजुल कर रहना चाहिए यही होली का संदेश है कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शान्तिशागर जी मण्डल कार्यवाह खेतासराय ने सभी महानुभावओ को धन्यवाद दिया कार्यक्रम मे मुख्य रुप से रामचंद्र, उपेंद्र मिश्र मंडल अध्यक्ष, अमित तिवारी एडवोकेट, मनिष गुप्ता, डाक्टर गजेंद्र पाण्डेय, विनिता मौर्या, सुनील, हनुमान, प्रशांत, भास्कर आशीष, सतीश उपस्थित रहे।

पवारा पुलिस ने गुमशुदा व्यक्ति को सकुशल किया बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा गुमशुदा की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे। अभियान मुस्कान में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुरएवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर तथा थानाध्यक्ष पंवारा के कुशल नेतृत्व में थाना पवारा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर

दिनांक 10.03.2025 को वादी मुकदमा के लिखित तहरीरी सूचना कि मेरा लड़का मनीष कुमार उम्र 23 वर्ष दिनांक 10/3/2025 सुबह 10 बजे बिना घर से बताएं कहीं चले जाने तथा अभी तक घर वापस नहीं आया काफी खोजबीन किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चलने के आधार पर थाना स्थानीय पर गुमशुदगी पंजीकृत होकर वास्ते गुमशुदा की बरामदगी हेतु उ0नि0 श्री हरिमोहन राम को सुपुर्द किया गया था। आज दिनांक 20.03.2025 को मुखबीर खास की सूचना पर उ0नि0 हरिमोहन राम मय हमराही कर्मचारी के द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर गुमशुदा मनीष कुमार उपरोक्त को सकुशल बरामद किया गया तथा गुमशुदा मनीष कुमार को उसके माता पिता की सुपूर्दगी मे दिया गया।

वाराणसी में गरजा बुलडोजर

फ्लाईओवर के निर्माण के लिए कई मकानों-दुकानों को किया गया ध्वस्त

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मंडुवाडीह चौराहे से बनारस स्टेशन तक फ्लाईओवर निर्माण की तैयारी जोरों पर है। बुधवार दोपहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की टीम ने मंडुवाडीह चौराहे पर सड़क चौड़ीकरण शुरू किया ।इसमें बाधक बन रहे कुछ मकानों और दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया

गया ।पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों की टीम जब बुलडोजर लेकर पहुंची तो स्थानीय लोग मौके पर मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि शासन द्वारा इस फ्लाईओवर परियोजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। अब निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। मलबा हटाने की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी ताकि अप्रैल से फ्लाईओवर का निर्माण शुरू हो सके।

मंडुवाडीह चौराहा व्यस्ततम स्थानों में एक है जहां रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। इस क्षेत्र में लगने वाले भीषण जाम से आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फ्लाईओवर निर्माण से यह समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। इसके बन जाने के बाद बनारस स्टेशन तक आने-जाने में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा। जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी ।इस महत्वपूर्ण परियोजना से न केवल वाहनों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और निवासियों को भी लाभ मिलेगा। ट्रैफिक जाम खत्म होने से लोगों का समय बचेगा और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी ।विभागाध्यक्षों को चेतावनी, सीएम-डैश बोर्ड पर खराब रैकिंग बर्दाश्त नहीं वहीं वाराणसी जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम -डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की। डैशबोर्ड की प्रगति रिपोर्ट में खराब श्रेणी वाले विभाग व कार्यों से संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि गुणात्मक प्रगति लाएं। बेहतर परफार्मेंस प्रदर्शित करें ।लापरवाही के कारण सीएम डैश-बोर्ड पर खराब रैकिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने ग्राम पंचायतों में पेयजल योजनाओं के कार्यों में प्रगति लाने का निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आवास योजना, नई सड़कों के अनुरक्षण व निर्माण ,सीएमआईएस, एमडीएम एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की ।इन योजनाओं में विभागाध्यक्षों को अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए और मत्स्य विभाग के अपर निदेशक का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया। पर्यटन विभाग के कार्यों की प्रगति, स्वच्छ भारत मिशन,महिला एवं बाल विकास, फैमिली आईडी की समीक्षा के दौरान इसमें और तेजी लाने को कहा। फैमिली आईडी बनाने की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए सभी बीडीओ को माह के अंत तक प्रगति सुनिश्चित कराने को निर्देशित किया। कहा कि विभागीय अधिकारी प्रत्येक दशा में योजनाओं के संचालन में समयबद्धता एवं गुणवत्ता का ध्यान रखें ।आम जनमानस की शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संदीप चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने किया मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत बैंकवार स्वीकृत लोन की समीक्षा की गई। जिन बैंकों के द्वारा सबसे कम लोन स्वीकृत किए गए थे उनपर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता है कि युवाओं को अधिक से अधिक लोन स्वीकृत करे, जिससे नए नए उद्यम लगे। जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स को निर्देश दिया कि आगामी 25 मार्च को कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में प्रस्तावित त्रिदिवसीय मेले में स्टाल लगाकर लोगों को योजनाओं के संबंध में जानकारी दे और योजना से लाभान्वित करें। उन्होंने बैंक से संबंधित सभी प्रतिनिधियों से कहा कि सभी पूरी निष्ठा से कार्य करे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, इशिता किशोर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अंबष्ट, बैंकों के प्रतिनिधिगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

सत्येंद्र अग्रहरी अध्यक्ष, संतोष अग्रहरी सचिव निर्वाचित

भारत विकास परिषद का चुनाव संपन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारत विकास परिषद शाखा जौनपुर के आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में प्रांतीय चुनाव अधिकारी संजय कुमार जी के दिशा निर्देश में नवीन दायित्वधारियों का चुनाव सर्वसम्मत्ति से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रांतीय चुनाव अधिकारी संजय कुमार जिला समन्वयक लोकेश कुमार अध्यक्ष दिलीप जायसवाल द्वारा भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया ।तत्पश्चात वंदे मातरम् गीत के पश्चात चुनाव चयन प्रकिया प्रारंभ हुई ।प्रांतीय चुनाव अधिकारी संजय कुमार ने चुनाव चयन प्रकिया के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया। तत्पश्चात डॉ दिवाकर गुप्ता ने अध्यक्ष पद के लिए सतेंद्र अग्रहरी का नाम प्रस्तावित किया। जिसे शरद साहू एव अतुल सिंह द्वारा अनुमोदन किया गया। सचिव पद हेतु संजय साहू ने संतोष अग्रहरी का नाम प्रस्तावित किया जिसे विकाश गुप्ता एवं ध्रुव जायसवाल द्वारा अनुमोदन किया गया। कोषाध्यक्ष पद हेतु प्रभात भाटिया द्वारा गणेश साहू का नाम प्रस्तावित किया गया जिसे राजेंद्र निगम एवं प्रदीप जायसवाल द्वारा अनुमोदन किया गया। चुनाव अधिकारी द्वारा सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने नवीन दायित्वधारियो अध्यक्ष सतेन्द्र अग्रहरि,सचिव संतोष अग्रहरि एवं कोषाध्यक्ष गणेश साहू को बधाई देते हुए कहा कि नए सत्र में भी परिषद द्वारा किए जा पंच सूत्री कार्य निर्बाध गति चलता रहेगा। जिला समन्वयक लोकेश कुमार ने नवीन दायित्वधारियो को बधाई देते हुए कहा कि आने वाला सत्र संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है जिसमें परिषद द्वारा भी कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष विक्रम गुप्ता, भृगुनाथ पाठक, शिव कुमार गुप्ता, शरद साहू, ऋषि श्रीवास्तव, सर्वेश जायसवाल, दीपक केशरी, राजीव श्रीवास्तव, आशुतोष पाठक, सुनील जायसवाल, डॉ प्रेम कुमार संतोषी, डॉ विजय प्रताप गुप्ता सहित संस्था के तमाम सदस्य उपस्थित रहे।

वाराणसी में बदला मौसम, गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी, तीन दिन बारिश का अलर्ट जारी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पश्चिमी विक्षोभ के चलते गुरुवार को वाराणसी में मौसम अचानक बदल गया। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग की ओर से 20 से 22 मार्च तक गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है ।मार्च में तीखी धूप लोगों को परेशान कर रही थी। बुधवार रात से मौसम ने अचानक करवट ली। गुरुवार को आसमान में बादल छा गए। वाराणसी और चंदौली समेत आसपास के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं कुछ इलाकों में धूप-छांव का खेल जारी रहा। आसमान में बादल छाए हैं ।मौसम विभाग की ओर से 20 से 22 मार्च तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभके चलते मौसम बदला है। 23 मार्च के बाद मौसम साफ हो सकता है। उसके बाद तापमान तेजी से बढ़ेगा। मार्च माह के आखिरी दिनों में तेज धूप और गर्मी परेशान कर सकती है।

कोटक महिंद्रा बैंक की बिल्डिंग में लगा हुआ एसी ब्लास्ट, एक व्यक्ति घायल

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राम कटोरा चौराहा पर स्थित कोटक महिंद्रा बैंक की बिल्डिंग में आज अचानक एसी ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में खिड़की का शीशा टूटकर छटकने से एक व्यक्ति के हाथ में गंभीर चोट आई, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। जिससे अंदर की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंच गई हैं और हालात को काबू में करने की कोशिश जारी है। रामकटोरा थाना प्रभारी भी मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। अभी तक किसी अन्य हताहत की जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन स्थिति की जांच की जा रही है।

भाजपा नेता राणा प्रताप सिंह का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा घाटकोपर पूर्व विधानसभा के महासचिव राणा प्रताप सिंह का जन्मदिन घाटकोपर ईस्ट स्थित तिलक रोड में केक काटकर वह पुष्पग गुच्छ देकर मनाया गया। इस अवसर पर प्रकाश सच्चन, सुनील सिंह, घनश्याम गुप्ता, सतीश शर्मा, सुरेश पाल, सुरेश ठाकुर, सतीश शर्मा, विलेंस पासवान, अनिल पासी, राजेश गुप्ता, भोला गुप्ता, देवीलाल चौहान, संजय निषाद, मोहन यादव, शेषनाथ सिंह, दयाराम विश्वकर्मा, दिलीप कुमार, विजय कुमार जैसवार, कल्लू गुप्ता, उमेश जैसवार, अनिल यादव, चन्दन गुप्ता, संजय यादव तथा सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे सभी ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

मुंबई पूर्वांचल परिषद मनाएगा बिहार स्थापना दिवस

मुंबई। मुंबई पूर्वांचल परिषद व बिहार प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 23 मार्च को बिहार स्थापना दिवस और सहस्त्र चन्द्र दर्शन समारोह का आयोजन किया गया है। विलेपार्ले (पूर्व) लोकमान्य सेवा संघ, तिलक मंदिर मैदान में सायं 5 बजे आयोजित समारोह में बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री व बिहार प्रभारी विनोद तावड़े बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। समारोह में बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, सांसद राजीव प्रसाद रुडी, बिहार के मंत्री संजय सरावगी, सचिन्द्र प्रसाद, अतुल कुमार, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा बतौर वक्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीजेपी मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार करेंगे। मुंबई पूर्वांचल परिषद के मुख्य संयोजक आर यू सिंह ने कहा कि बिहार प्राचीन काल से ही भारतीय सभ्यता, शिक्षा और राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। 1912 में बंगाल प्रेसिडेंसी से अलग होकर एक स्वतंत्र प्रांत के रूप में बिहार की स्थापना की याद दिलाता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का सहस्त्र चंद्र दर्शनम से सम्मानित किया जायेगा। समारोह में महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए अभिनन्दन प्रस्ताव रखा जायेगा और संगठन के पदाधिकारी लखनऊ में जाकर मुख्यमंत्री योगी का सम्मान करेंगे।

अभिनेत्री सनम पठान ने कपड़ों का ब्रांड Sanam's Fashion लांच किया

मुंबई। मॉडल, अभिनेत्री सनम पठान ने खुद के कपड़ों का ब्रांड लांच किया है। इस इवेंट में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए सनम के कपड़ों के ब्रांड का लांचिंग हुआ। इस ब्रांड का नाम Sanam's Fashion रखा गया है। Sanam's Fashion में साड़ी, लहंगा, कुर्ता सेट, कफ्तान, पैंट सेट, ड्रेस, स्कर्ट सूट और गाउन सहित सऊदी अरब, दुबई और इंडियन इस्टाईल में कपड़े मिलेंगे। बता दें कि सनम पठान एक मॉडल, अभिनेत्री हैं और वह ब्यूटी पेजेंट विजेता, मिस अर्थ बेस्ट स्माइल भी रह चुकी है। सनम पठान के इस इवेंट में कई जानी मानी दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की। जिसमें दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, फिल्म अभिनेता एजाज खान, राजनीतिज्ञ दिनेश साल्वी, बिल्डर और डेवलपर कल्पेश मेहता मार्केटिंग प्रमोटर नरेश चाहे साहित कई अन्य अतिथि शामिल हुए। सभी अतिथियों ने सनम पठान के इस कदम पर उनकी खूब सराहना की। दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने कहा कि सनम पठान महिलाओं के लिए एक प्रेणा हैं, सनम पठान इसी तरह ऐसे ही काम करते रहें यही हम सबकी दुआ है।

प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने किया मैराथन रन फॉर क्लीन गंगा की जर्सी लॉन्च

सुरेश गांधी

वाराणासी (उत्तरशक्ति)। संकट मोचन फाउंडेशन व मदर्स फॉर मदर के संयुक्त तत्वावधान में 22 मार्च को विश्व जल दिवस के मौके पर रन फॉर क्लीन गंगा मैराथन का आयोजन किया गया है। इसके लिए संकट मोचन फाउंडेशन के अध्यक्ष व संकट मोचन मन्दिर के महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने गुरुवार को तुलसीघाट स्थित आवास पर अपनी पूरी टीम व सहयोगियों के बीच मैराथन की अधिकारिक जर्सी की लांचिंग की। मकसद है गंगा प्रदूषण निवारण व स्वच्छता के लिए जन जागरूकता करते हुए पूरे शहर को जोड़ना। पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रो मिश्र ने बताया कि यह संस्था 1997 से गंगा के घाटों को स्पर्श करती हुए असि घाट से वरुणा संगम तक मानव श्रृंखला बनाकर जनता को इसके प्रति जागरूक करने का कार्य करती आ रही है। इस वर्ष पूरे शहर की जनता को जोड़ने के लिए पिछले वर्षों तक गंगा किनारे हो रहे कार्यक्रम को सड़क मार्ग पर लाया गया है। इस क्रम में गंगा के एक किनारे डाउन स्ट्रीम भैंसासुर घाट (राजघाट) से अप स्ट्रीम तुलसीघाट तक सड़क मार्ग से छह किमी तक मैराथन का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्व जल दिवस के मौके पर 22 मार्च को अनोखे व अलग अंदाज में मनाने का निर्णय उनकी टीम ने ली है। उन्होंने बताया कि रन फॉर क्लीन गंगा का उद्देश्य गंगा प्रदूषण मुक्ति के लिए जन जागरूकता के लिए पूरे नगर को जोड़ना है। इस क्रम में भैंसासुर घाट से रन फॉर क्लीन गंगा : मैराथन को हरी झंडी दिखाई जाएगी। मैराथन दौड़ में पुरुष प्रतिभागियों को सुबह सात बजे और महिला प्रतिभागियों को 7.10 बजे रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भैंसासुर घाट से लगायत तुलसीघाट तक कुल छह किमी के अंतराल पर सात स्पॉट 1. भैंसासुर घाट (राजघाट आरंभ स्थल) 2. मच्छोदरी कम्पोजिट विद्यालय, 3. मैदागिन चौराहा, 4. कोतवाली थाना चौक, 5. जंगमबाड़ी मठ, 6. होटल शिवाय (शिवाला) 7. तुलसीघाट (समाप्ति स्थल) बनाए गए हैं। इन स्टालों पर फाउंडेशन के वालेंटियर अल्पाहार के साथ उपस्थित रहेंगे। मैराथन में प्रतिभागियों के साथ- साथ जो चाहें अपनी इच्छानुसार जितनी दूरी तक चाहें दौड़ में शामिल हो सकेंगे।

इंटरग्लोब होटल्स और एकॉर ने मुंबई में मजबूत की अपनी उपस्थिति

मुंबई। इंटरग्लोब होटल्स और एकॉर ने मुंबई में आईबिस मुंबई बीकेसी नाम से एक नया होटल खोला है। यह होटल आईबिस के स्मार्ट डिजाइन, आसान सुविधा और जीवंत माहौल के साथ प्रवास को ज्यादा सुविधाजनक और वेलकमिंग बनाने के लक्ष्य को दर्शाता है। मुंबई के मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों में से एक बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्थित इस होटल की महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्रों और हवाई अड्डे तक आसान कनेक्टिविटी है। इसलिए यह होटल व्यवसाय और हॉलिडे यात्रियों दोनों के लिए एक बढ़िया होटल विकल्प बन जाता है।

यह होटल मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित है। गौरतलब है कि यह जगह व्यवसाय के मामले में मुंबई की सबसे ज्यादा मशहूर और जानी-मानी जगह है। इस होटल की प्रमुख बिजनेस सेंटरों और हवाई अड्डे से अच्छी कनेक्टिविटी है। इस वजह से यह बिजनेस और हॉलीडे मनाने वाले यात्रियों के लिए एक बढ़िया होटल बन जाता है। होटल में आने पर मेहमानों का स्वागत एक वायब्रेंट तथा मल्टीफंक्शनल लॉबी में किया जाता है। इससे ही सटा लाउंज और बार का एरिया भी है। इस वजह से होटल की यह जगह काम करने, आराम करने या सोशलाइज करने के लिए एक आकर्षक जगह बन जाती है। मुंबई के जीवन को दशार्ते हुए होटल शहर के डायनामिक कल्चर से प्रेरित कंटेम्परेरी कला को प्रदर्शित करता है। इन कलाओं को पब्लिक एरिया और गेस्टरूम में प्रदर्शित किया गया है। इंटरग्लोब होटल्स की सीईओ & प्रेसिडेंट जेबी सिंह ने बताया, हम भारत में अपने होटलों में एक नए होटल 'आइबिस मुंबई बीकेसी' को पेश करके काफी उत्साहित हैं। यह होटल मेहमानों के स्वागत के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए पब्लिक एरिया, आरामदायक कमरे और कई सारे भोजन के विकल्प प्रदान करता है। यह होटल मॉडर्न यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। डिजाइन में स्टाइल और आराम का बखूबी मिश्रण पेश किया गया है। इंटरग्लोब होटल्स में हम बेहतरीन डिजाइन और कंस्ट्रक्शन के साथ हाई क्वालिटी और किफायती ठहरने की व्यवस्था प्रदान करते हैं। आइबिस इंडिया के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, श्री तेजस जोस ने कहा, 1974 से किफायती प्रवास की सुविधा प्रदान करने में अग्रणी रहे आइबिस ने फारवर्ड-लुकिंग डिजाइन और वायब्रेंट गेस्ट एक्सपीरियंस के साथ होस्पिटैलिटी इकोनोमी को नई राह प्रदान की है। आइबिस मुंबई बीकेसी मॉडर्न कम्फर्ट, बेहतरीन सर्विस और बेहतरीन वैल्यू प्रदान करता है। बीकेसी में इसकी प्राइम लोकेशन इसे बिजनेस और हॉलिडे यात्रियों दोनों के लिए एक बढ़िया विकल्प बनाता है। अच्छी तरह से डिजाइन किए गए कमरों और आधुनिक सुविधाओं से लैस यह होटल एक सुखद और यादगार ठहराव प्रदान करता है। दुनिया के प्रमुख इकोनॉमी हॉस्पिटैलिटी ब्रांडों में से एक के रूप में आइबिस सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण ठहराव सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आइबिस मुंबई बीकेसी अब 69 देशों में 1,200 से ज्यादा होटलों के वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा बन गया है। अपने उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए आइबिस मुंबई बीकेसी ने मेहमानों के लिए स्पेशल ऑफर दिया है। ऑफर के तहत कोई अगर एक रात ठहरता है तो दूसरी रात वह मुफ़्त में रुक सकता है। यह ऑफर 31 मार्च, 2025 तक सीधे बुकिंग करने पर उपलब्ध है। एकॉर के ऑल-इन-वन बुकिंग प्लैटफॉर्म और अवार्ड विनिंग लॉयल्टी प्रोग्राम 'अछछ' के सदस्य आइबिस मुंबई बीकेसी में अपने प्रवास के दौरान विशेष लाभों का आनंद ले सकते हैं और रिवॉर्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। इन पॉइंट्स को एकॉर के ग्लोबल नेटवर्क में भविष्य के लिए ठहरने, भोजन और अनूठे अनुभवों के लिए भुनाया जा सकता है।

जेनो हेल्थ ने महाराष्ट्र में 50-मिनट मेडिसिन डिलीवरी सर्विस शुरू की

मुंबई। महाराष्ट्र के प्रमुख ओम्नीचैनल फामेर्सी नेटवर्क जेनो हेल्थ ने मुंबई में अपनी 50-मिनट मेडिसिन डिलीवरी सर्विस की शुरूआत की है। इस सर्विस से जरूरी दवाइयाँ, खासकर जेनेरिक दवाइयाँ जो आमतौर पर दूसरे स्थानों पर आसानी से नहीं मिलतीं, जल्दी मिल सकेंगी। अपने ओम्नीचैनल नेटवर्क को मजबूत करते हुए, यह पहल मरीजों को बिना किसी देरी के उनकी दवाइयाँ उपलब्ध कराएगी जिससे उनका इलाज समय पर हो सकेगा । जेनो हेल्थ का मकसद है कि सभी लोगों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा आसानी से मिले। जेनो हेल्थ अपने बड़े रिटेल नेटवर्क को टेक्नोलॉजी से संचालित लॉजिस्टिक से जोड़ेगी और यह अपने 180 से ज्यादा स्टोर्स को माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर्स की तरह इस्तेमाल करेगी। टेक्नोलॉजी की मदद से दवाओं का स्टॉक वास्तविक समय में उपलब्ध रहेगा और तेजी से डिलीवरी सुनिश्चित होगी। यह पारंपरिक वितरण प्रणाली की तुलना में एक बेहतर समाधान है, जो दवाओं की डिलीवरी के लिए आमतौर पर केंद्रीकृत वेयरहाउस पर निर्भर होता है और इससे डिलीवरी प्रक्रिया धीमी हो जाती है। साथ ही, जेनो हेल्थ सीधे निमार्ताओं से दवाएं प्राप्त करता है, जिससे बिचौलियों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं 60% तक की बचत पर मिलती हैं । कंपनी के को-फाउंडर और चीफ ऑपरेशंस ऑफीसर (उडड) गिरीश अग्रवाल ने बताया कि यह पहल दवाइयों की उपलब्धता को कैसे बदल रही है। हेल्थकेयर में आपातकालीन स्थिति से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमारी 50-मिनट डिलीवरी सर्विस यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी मरीज को जरूरी दवाइयों के लिए इंतजार न करना पड़े। यह सिर्फ स्पीड के बारे में नहीं है, बल्कि हम एक आसान और सबसे पहले मरीजों पर फोकस करने वाला अनुभव देना चाहते हैं ताकि मुंबई में लोगों को आसानी से और भरोसेमंद तरीके से किफायती दवाओं तक पहुंच मिल सके। जेनो हेल्थ के को-फाउंडर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर सिद्धार्थ गादिया ने कंपनी की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। हर व्यक्ति को जरूरत पड़ने पर सही समय पर दवाएं मिलनी चाहिए। अपनी ओम्नीचैनल उपस्थिति का विस्तार करके, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आपातकालीन देखभाल समाधान सिर्फ उपलब्ध ही नहीं हों, बल्कि वास्तव में सबकी पहुंच में हो। यह हमारे मिशन में एक और कदम है ताकि हम स्वास्थ्य सेवा को उन लोगों के करीब ला सकें जो हर रोज हम पर भरोसा करते हैं।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस की पिंक स्टार सेफ्टी रेटिंग महिला यात्रियों के लिए पहली अनूठी सुरक्षा रेटिंग

मुंबई। आज की दुनिया में, सुरक्षा केवल चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह एक प्राथमिकता है, खासकर नई जगहों की सैर करने वाली महिलाओं के लिए। यात्रा करना अब आजादी की भावना का तगड़ा प्रदर्शन माना जाता है, लेकिन अहम सवाल बना हुआ है। क्या वहां की यात्रा करना सुरक्षित है? स्थिति यह है कि ज्यादातर प्लेटफॉर्म दिलकश चीजों व लुभावनी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और सुरक्षा अक्सर पीछे छूट जाती है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंसने पिंक स्टार सेफ्टी रेटिंग पेश की है। यह ऐसा क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो महिला यात्रियों को भारत और दुनिया भर के गंतव्य-स्थलों की सुरक्षा का आकलन करने के लिए बेमिसाल साधन उपलब्ध कराता है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस द्वारा समर्थित और अत्याधुनिक अक तकनीक द्वारा संचालित यह सिस्टम- किसी जगह की क्राइम रेट, नजदीकी पुलिस स्टेशन और अस्पताल, जनता के लिए मौजूद सुख-सुविधाएं, और अन्य जरूरी मापदंडों का रियल टाइम डेटा एकीकृत करता है। महिलाएं अब सटीक और डेटा-संचालित सुरक्षा रेटिंग हासिल कर सकती हैं, जो उन्हें पूरे आत्मविश्वास के साथ यात्रा की योजना बनाने में समर्थ बनाती है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ राकेश जैन ने इस पहल के बारे में अपने विचार साझा किए, सुरक्षा एक बुनियादी जरूरत से कहीं बढ़कर है - यह असली आजादी की बुनियाद होती है। पिंक स्टार सेफ्टी रेटिंग के दम पर, हम सक्रिय रूप से एक वैश्विक चिंता को दूर कर रहे हैं, साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर महिला अपनी यात्रा की तैयारी कर सके और हर कदम पर सुरक्षित महसूस करे। जिस तरह वाहन या होटल की रेटिंग जाँचना एक स्वभाव बन चुका है, उसी तरह हम सेफ्टी रेटिंग्स को हर महिला की यात्रा योजना का अभिन्न अंग बनाना चाहते हैं। वाकई यह पहल सार्थक और ग्राहक-केंद्रित समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कर्ली टेल्स की फाउंडर कामिया जानी इस अभियान के लॉन्च का मुख्य चेहरा हैं, जो यात्रा संबंधी कंटेंट के लिए अब एक घरेलू नाम बन चुकी हैं। इसका उद्देश्य यह है कि ऑडियंस के साथ ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव पैदा किया जाए, क्योंकि कामिया ने इस क्षेत्र में गहरा असर पैदा किया है।

बब्बन दुबे की पुण्यतिथि पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

जौनपुर। पूर्व प्रधानाचार्य अनिल कुमार दुबे के मछली गांव स्थित आवास पर उनके पिता स्वर्गीय पंडित बब्बन दुबे ₹आचार्य₹ की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ तथा महाप्रसाद का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ सेवा निर्मित के अध्यक्ष सत्यदेव सिंह, तिब्बती विश्वविद्यालय सारनाथ के पूर्व प्रोफेसर डॉ बाबुराम त्रिपाठी, पीजी कॉलेज के प्रबंधक श्याम सिंह, एडवोकेट हरगोविंद सिंह, जिले के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक मिश्रा, प्राचार्य डॉ विनोद कुमार मिश्रा, पीजी कॉलेज बदलापुर के प्रोफेसर डॉ ओम प्रकाश दुबे, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र मणि दुबे, भाजपा नेता मिथिलेश कुमार सिंह, प्रवक्ता ज्योति कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ रमाकांत सिंह, अधिवक्ता अरुण कुमार तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार सुनील मिश्रा समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्व. बब्बन दुबे के पौत्र सहायक कमिश्नर जीएसटी अभिषेक कुमार दुबे ने उपस्थित समाज के असहाय तथा निर्बल लोगों को यथोचित दान भी दिया। अंत में अनिल दुबे ने सभी उपस्थित लोगों के आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। ज्ञातव्य है कि स्वर्गीय बब्बन दुबे आदर्श प्रधानाध्यापक होने के साथ-साथ प्रकांड विद्वान भी रहे। यही कारण था कि क्षेत्र में लोग उनका बड़ा सम्मान करते थे।

रसना ने लॉन्च किया दुनिया का पहला ज्यादा रिच, थिक और टेस्टी पाउडर कॉन्संट्रेट

मुंबई। पीढ़ियों से भारतीय परिवारों के प्रिय पेय रसना ने रसना रिच के नाम से एक अनूठा और नया उत्पाद लॉन्च किया है। यह एक फ्लेवर रिच पाउडर कॉन्संट्रेट है, जिसका टेक्सचर एवं स्वाद शानदार है। यह बहुत किफायती भी है। 10 रुपये के पाउच से 3 गिलास पेय बनता है, जिससे प्रभावी कीमत 3 रुपये प्रति गिलास बनती है। नए उत्पाद में मुख्य आकर्षण फलों के राजा आम का स्वाद है। आम रसना के सबसे ज्यादा बिकने वाले फ्लेवर में से एक है। इसीलिए, ह्यरसना रिच लाइन-अप में भी इस फ्लेवर को शामिल किया गया है। आम को प्रीमियम और खास फल माना जाता है, लेकिन नए रसना रिच मैंगो के साथ अब पूरे साल आसानी से इसका स्वाद लिया जा सकेगा। नया रसना रिच ऑरेंज, लेमन, पाइनएप्पल, अमरूद और मिक्सफ्रूट जैसे कई अन्य फ्लेवर्स में भी उपलब्ध है। 10 रुपये से 20 रुपये प्रति गिलास की कीमत वाले अन्य मैंगो ड्रिंक की तुलना में रसना रिच स्वाद को लेकर अपनी विरासत के साथ किफायती मूल्य पर उपलब्ध है। अच्छे स्वास्थ्य और पोषण के अपने वादे के अनुरूप रसना रिच 21 विटामिन एवं मिनरल से भरपूर है, जिससे इसकी विशिष्टता और बढ़ जाती है। इसकी सुविधाजनक पाउच पैकेजिंग इसे स्कूल, पिकनिक एवं सफर के लिए आदर्श बनाती है। रसना रिच की लॉन्चिंग के अवसर पर रसना इंटरनेशनल के ग्रुप चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने कहा, हमारा नया उत्पाद भारतीय उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं को दशार्ता है। यह एक आत्मनिर्भर ब्रांड है जो किफायती कीमत पर अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रदान करता है। रसना ने हमेशा ऐसे उत्पाद पेश किए हैं, जो भारतीय मूल्यों के अनुरूप होते हैं और पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वाद का सहज मिश्रण होते हैं। इस लॉन्चिंग के साथ रसना ने भारतीय घरों में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है और 20,000 करोड़ रुपये के फ्रूट ड्रिंक्स बाजार में कदम बढ़ाया है। साथ ही, अद्वितीय कीमत पर विश्व स्तरीय ताजगी की पेशकश कर रहा है।

विज्ञापन में दो बच्चों की खुशी को खूबसूरती से दशार्या गया है, जो साथ मिलकर रसना बना रहे हैं और मासूमियत से अपनी छोटी बहन के बड़े होने और उसके साथ रसना का स्वाद लेने का इंतजार कर रहे हैं। यह खूबसूरत विज्ञापन ऐसी भावनाओं को जगाता है जो कल्याण से लेकर कोलकाता और बठिंडा से लेकर बेंगलुरु तक सभी को जोड़ती हैं। नए 10 रुपये के पैक से 3 गिलास पेय बनता है।

हटसन एग्रो प्रॉडक्ट लिमिटेड ने अपना 4000वां एचएपी डेली आउटलेट खोल कर रिटेल के क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की

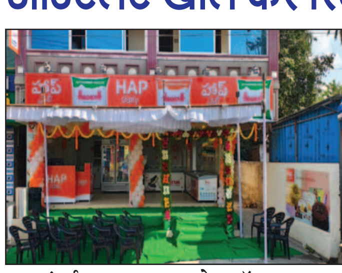

मुंबई। हटसन एग्रो प्रॉडक्ट लिमिटेड, जो कि भारत की अग्रणी निजी क्षेत्र की डेयरी कंपनी है, ने आंध्र प्रदेश के भीमावरम में अपना 4000वां एचएपी डेली आउटलेट खोला है। यह उपलब्धि उपभोक्ताओं को ताजा और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कंपनी का उद्देश्य अरुण आइसक्रीम्स, अरोक्य, हटसन और हैनोबार सहित विभिन्न ब्रांड्स के माध्यम से रिटेल क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करना है और एचएपी डेली एक्सक्लूसिव स्टोर्स इसी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन स्टोर्स में आइसक्रीम, ताजा दूध, दही, छाछ, पनीर, योगर्ट, जूस, चॉकलेट, मक्खन आदि उत्पाद रिटेल में बेचे जाएंगे। उपभोक्ताओं को सीधे बिक्री करने के अलावा, एचएपी डेली आउटलेट अपने आसपास स्थित रिटेल दुकानों में भी इन उत्पादों की आपूर्ति करके ब्रांड की पहुंच को बढ़ाने में योगदान देंगे। 4000वें एचएपी डेली आउटलेट के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए हटसन एग्रो प्रॉडक्ट लिमिटेड के चेयरमैन, श्री आर.जी. चंद्र मोगन ने कहा, आंध्र प्रदेश के भीमावरम में हमारे 4000वें एचएपी डेली एक्सक्लूसिव आउटलेट का उद्घाटन उपभोक्ताओं को ताजा और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद सहज रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में कंपनी की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर है। हटसन एग्रो का लक्ष्य हमेशा से न केवल डेयरी किसानों और फ्रेंचाइजी भागीदारों के लिए नए अवसरों का सृजन करना रहा है, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले नए उत्पाद विकसित कर उन्हें आसानी से उपलब्ध कराना भी रहा है। हम इस आधुनिक रिटेल फॉर्मेट के माध्यम से अपनी उपस्थिति को निरंतर विस्तार देने, अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को सशक्त बनाने और ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने के लिए, हटसन एग्रो ने डेयरी और आइसक्रीम उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने, प्रमुख बाजारों में अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को सशक्त बनाने और डेयरी से जुड़ी अनूठी पेशकशों के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के उद्देश्य से अपनी प्रोसेसिंग क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रणनीतिक अधिग्रहण किए हैं।

शहीद दिवस पर 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम 23 को

मुंबई। शहीद दिवस के अवसर पर जीवन ज्योति प्रतिष्ठान और जनशक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 23 मार्च, रविवार को शाम 5 बजे अंधेरी (पूर्व) स्थित रमेश मोरे चौक पर 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम देश के अमर शहीदों को नमन करने और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। आयोजक जय शंकर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्रों पर माल्यार्पण से की जाएगी।

इसके उपरांत समाजसेवा में अनुकरणीय योगदान देने वाली विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है देश के शहीदों के बलिदान को याद करना और समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है। जय शंकर सिंह ने सभी देशप्रेमी नागरिकों से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है। कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत संगीतमय प्रस्तुतियां भी होंगी, जिसमें गायक कलाकार शहीदों के सम्मान में देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। इस पर अतिथि के रूप में पूर्व सांसद संजय निरुपम, आजाद हाकर्स यूनियन के संस्थापक अध्यक्ष दयाशंकर सिंह, विधायक मुरजी पटेल, भू आंदोलन यूपी बोर्ड के सदस्य रहे पं. अलख नारायण चतुर्वेदी, अभिनेता केके गोस्वामी, वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोईटे और जय प्रकाश सिंह उपस्थित रहेंगे।

मास्टर साहब बने लाट साहब, छात्राओं से करवाया आफिस की साफ सफाई, वीडियो वायरल

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिल के शाहगंज के नगर के पुरानी बाजार स्थित नगर पालिका प्राथमिक विद्यालय में छात्राओं से प्रधानाध्यापक के कार्यालय में कुर्सियां साफ कराने का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के बीच कहासुनी भी हो रही है। बच्चों से कार्यालय या अन्य किसी ऑफिस में सफाई कराना नियमावली का साफ उल्लंघन है। पुरानी बाजार में स्थित प्राथमिक विद्यालय का यह वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद खलबली मच गई। वीडियो में साफ दिख रहा है कि प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार यादव की मौजूदगी में छात्राएं कार्यालय की कुर्सियों को कपड़े से पोंछ रही हैं और सफाई कर रही हैं। वीडियो में वीरेंद्र यादव और वहां पर तैनात सहायक अध्यापिका रेखा व पूजा के बीच कहासुनी भी हो रही है। छात्रों से स्कूल परिसर और बाग बगीचे में सफाई आदि कराई जा सकती है, लेकिन कार्यालय में सफाई जैसा काम कराना पूरी तरह से नियम विरुद्ध है। बताते चले इसके पूर्व भी उक्त प्रधानाध्यापक पर विद्यालय की ही एक शिक्षिका ने गम्भीर आरोप लगाए थे।तो दूसरी तरफ वार्ड के सभासद से भी कई बार मिडडे मील को लेकर विवाद हो चुका है। इस सम्बंध में पूछे जाने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी बसन्त शुक्ला ने कहा की मामला जानकारी में नही है। अगर ऐसा कुछ है तो जांच कर विभागीय कार्यवाई की जाएगी।

देहावसान की दुखद निधन पर शोक सभा आयोजित

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह बंटी के नेतृत्व में विधायक रमेश सिंह के अनुज भ्राता स्व. दुर्गेश सिंह के देहावसान की दुःखद घटना पर शोक सभा आयोजित की गयी। इस शोक सभा में नगर पालिका के समस्त सभासदगण, कर्मचारीगण और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शोक सभा में वीरेंद्र सिंह बंटी ने कहा कि स्व. दुर्गेश सिंह के देहावसान से हमें गहरा आघात पहुंचा है और उनके परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि स्व. दुर्गेश सिंह एक अच्छे इंसान थे और उनके साथ हमारा सहयोग और समर्थन हमेशा रहा है। शोक सभा में उपस्थित सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर स्व. दुर्गेश सिंह की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल मोदनवाल, समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष अरशद अंसारी, नगर महासचिव अखिलेश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा सुनील अग्रहरि टप्पू, सभासद छेदीलाल वर्मा, अर्पित जायसवाल, आशुतोष अग्रहरि डंपी, श्रेयांश मोदनवाल, अब्दुल्लाह राईन, शिवप्रसाद राममिलन मोदनवाल, अमरनाथ विजय जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

भाजपा नेता राणा प्रताप सिंह का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा घाटकोपर पूर्व विधानसभा के महासचिव राणा प्रताप सिंह का जन्मदिन घाटकोपर ईस्ट स्थित तिलक रोड में केक काटकर वह पुष्पग गुच्छ देकर मनाया गया।

इस अवसर पर प्रकाश सच्चन, सुनील सिंह, घनश्याम गुप्ता, सतीश शर्मा, सुरेश पाल, सुरेश ठाकुर, सतीश शर्मा, विलेंस पासवान, अनिल पासी, राजेश गुप्ता, भोला गुप्ता, देवीलाल चौहान, संजय निषाद, मोहन यादव, शेषनाथ सिंह, दयाराम विश्वकर्मा, दिलीप कुमार, विजय कुमार जैसवार, कल्लू गुप्ता, उमेश जैसवार, अनिल यादव, चन्दन गुप्ता, संजय यादव तथा सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे सभी ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

पुलिस ने किया तंबाकू मुक्त स्कूल परिसर अभियान के तहत निरीक्षण

मुंबई(उत्तरशक्ति)। जोन 7 के पुलिस उपायुक्त विजयकांत सागर के मार्गदर्शन में चल रहे तंबाकू मुक्त स्कूल परिसर अभियान के तहत, नोडल अधिकारी पूपानी नम्रता डोंगरे, पूपानी बालाजी रासवे, एनजीओ प्रतिनिधि सुजाता जाधव स्नेहा फाउंडेशन, पीयूष श्रीदास मोहल्ला समिति सदस्य और शिवदिनेश शर्मा मीडिया, प्रिंसिपल और शिक्षक प्रणाली कार्णिक और सुरभि राउत के संयुक्त निरीक्षण दल ने आज पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर झुन झुन वाला कॉलेज घाटकोपर पश्चिम और स्वामी शमानंद हाई स्कूल भटवाड़ी घाटकोपर पश्चिम स्कूलों के 100 मीटर क्षेत्र का निरीक्षण किया। कोई भी तम्बाकू उत्पाद बिकता हुआ नहीं पाया गया। इसलिए संयुक्त निरीक्षण दल ने पाया कि आज स्कूल परिसर तम्बाकू मुक्त है।

434 दिन बाद अंतरिक्ष से लौटा अमेरिका का गुप्त विमान

नई दिल्ली। अमेरिकी का सीक्रेट अंतरिक्ष विमान एक्स-37बी 434 दिनों के मिशन के बाद पृथ्वी पर वापस लौट आया है। इसके मिशन के विवरण अभी गुप्त हैं, लेकिन अमेरिकी स्पेस फोर्स इसे एक्स-37बी कार्यक्रम में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरूआत के रूप में देख रही है। यूएस स्पेस फोर्स के प्रमुख जनरल चांस साल्टजमैन ने कहा है कि मिशन 7 ने एक्स-37बी की क्षमता को प्रदर्शित किया कि वह विभिन्न कक्षाओं में अपने परीक्षण और प्रयोग के लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकता है। विमान को स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लांच किया गया था। लॉन्चिंग के लिए नासा के फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर का इस्तेमाल किया गया। पिछली बार यह विमान अंतरिक्ष में 908 दिन बिताकर कैनेडी स्पेस सेंटर पर 12 नवंबर 2022 को उतरा था। पहली बार किसी रोबोटिक विमान ने अंतरिक्ष में 908 दिन बिताए थे। यह एक रिकॉर्ड था। यूएस स्पेस फोर्स के पास वर्तमान में दो एक्स-37 बी अंतरिक्ष विमान हैं, अंतरिक्ष मिशन को अंजाम देने में सक्षम हैं।

गुमशुदा

नाम - तीरथ प्रजापति उर्फ मीनू
उम्र - 43
कद- 5.3 फिट
जन्म स्थान- ग्राम अतरौरा थाना सराय ख़्वाजा, जौनपुर, उत्तर प्रदेश
रंग - गेहुआ
गायब होने का स्थान - अनमोल बिल्डिंग,गोखले हाल, बोरिवली पश्चिम
वेश भूषा - आसमानी नीला ट्रीशर्त, कला पेंट। संपर्क नंबर 7052975663 , 9953131633

इजरायल का साथ देने वाली अमेरिकी नीति का विरोध करना पड़ा भारी, वर्जीनिया में हिरासत में लिया गया भारतीय छात्र

न्यूयार्क। अमेरिका में इजरायल को लेकर अमेरिकी नीति का विरोध करने पर एक भारतीय छात्र को हिरासत में लिया गया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब हमास का समर्थन करने पर हाल ही में भारतीय छात्रा रंजनी श्रीनिवासन का वीजा रद कर दिया गया था।

इसके बाद छात्रा ने खुद को अमेरिका से डिपोर्ट कर लिया था। बदर खान सूरी के वकील ने दावा किया कि उनको केवल इसलिए दंडित किया जा रहा है, क्योंकि उनकी पत्नी फलस्तीनी मूल की हैं।

सरकार को संदेह है कि सूरी और उनकी पत्नी इजरायल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करते हैं। सूरी की पत्नी अमेरिकी नागरिक हैं। हिरासत में लिए गए सूरी वाशिंगटन स्थित जार्जटाउन यूनिवर्सिटी के एडमंड ए वाल्श स्कूल ऑफ फारेन सर्विस में 'अलवलीद बिन तलाल सेंटर फार मुस्लिम-ईसाई अंडरस्टैंडिंग' में पोस्टडॉक्टरल फेलो हैं। वह दिल्ली स्थित जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी के छात्र भी रह चुके हैं।

डिजिटल अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करने वाले छात्रों पर कार्रवाई के बीच संघीय आव्रजन अधिकारियों ने सूरी को हिरासत में लिया है। वह छात्र वीजा पर पढ़ाई और अध्यापन कर रहे हैं।

नकाब पहने एजेंटों ने सोमवार रात वर्जीनिया में सूरी को उनके घर के बाहर से हिरासत में लिया। इससे पहले हमास का समर्थन करने के कारण कोलंबिया यूनिवर्सिटी की छात्रा रंजनी श्रीनिवासन का वीजा पांच मार्च को रद कर दिया गया था। इसके बाद 11 मार्च को उन्होंने खुद को अमेरिका से डिपोर्ट कर लिया था।

उनके वकील हसन अहमद की ओर से दायर याचिका मं बताया गया, 'सूरी को वर्जीनिया के एक सेंटर में ले जाया गया है। उन्हें जल्द ही टेक्सास के एक हिरासत केंद्र में भेजा जा सकता है।' वकील ने सूरी की तत्काल रिहाई के लिए यह याचिका दायर की है। याचिका में बताया गया है कि एजेंटों ने खुद को गृह सुरक्षा विभाग से जुड़ा बताया और सूरी से कहा कि सरकार ने उनका वीजा रद कर दिया है। सूरी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उन पर किसी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया है।

दो माह पूर्व लापता युवक की नहर में मिली लाश, प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका

कुशीनगर। जिले के नौरंगिया थाना क्षेत्र में बीते दो महा पूर्व गायब अनुराग श्रीवास्तव की लाश विशनपूरा थाना क्षेत्र के नहर में मिली। अनुराग श्रीवास्तव उस समय नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर कार्य करते थे, कुछ दिन बाद ही उनकी शादी थी और वह घर से शादी का कार्ड लेने जा रहे हैं ऐसा बोलकर निकले और कुछ घंटे बाद परिजनों को फोन आता है कि नहर किनारे अनुराग श्रीवास्तव की बाइक मिली है। पूरे मामले की जानकारी उन्होंने पुलिस को तहरीर लिख कर दी पुलिस ने इस मामले में मिसिंग का कंप्लेंट तो दर्ज कर लिया लेकिन अनुराग श्रीवास्तव का पता नहीं लगा पाई थी, अब ठीक 2 महीने बाद उनकी लाश विशनपूरा थाना क्षेत्र मिली है। वहीं इस पूरे मामले पर मृतक अनुराग श्रीवास्तव के परिजनों का आरोप है कि पुलिस समय रहते हर एक पहलुओं पर जांच की होती तो शायद आज अनुराग श्रीवास्तव की मौत नहीं होती। अनुराग के परिजनों ने इस पूरे मामले पर नेबुआ नौरंगिया थाने की लापरवाही बताई है अनुराग श्रीवास्तव की मौत के बाद अब परिजन लगातार इस पूरे मामले पर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, अनुराग श्रीवास्तव के मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गैर समुदाय की शिक्षिका से मृतक अनुराग श्रीवास्तव के प्रेम प्रसंग थे। परिजनों ने आशंका जताई है कि कहा कि वह गैर समुदाय से प्रेम प्रसंग की वजह से ही इस पूरे घटना को अंजाम तो नहीं दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आरोहन ने जताही देवी को समय पर सहायता देकर सशक्त बनाया

मोतिहारी। मोतिहारी, बिहार की एक मेहनती किसान, जताही देवी, हमेशा अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए तत्पर रही हैं। 2021 में उन्होंने पहली बार आरोहन के सरल लोन का लाभ उठाया, जिससे उनके कृषि व्यवसाय को बढ़ावा मिला और उनके परिवार की आय स्थिर बनी। तब से, उन्होंने आरोहन के साथ अपना संबंध बनाए रखा। 2024 में जताही देवी के जीवन में एक दुखद मोड़ आया जब उनके पति का अचानक एक दुर्घटना में निधन हो गया, जिससे वह अपनी बेटी की एकमात्र पालनकर्ता बन गईं। इस कठिन समय में, वह न केवल भावनात्मक रूप से बल्कि आर्थिक रूप से भी संकट में थीं और उनके पास कोई अन्य उपाय नहीं था।

ब्वॉयफ्रेंड के साथ पति की लाश बाइक पर लेकर घूम रही थी पत्नी

जयपुर । जयपुर के मुहाना इलाके में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने रिश्तों की मयार्दा को तार-तार कर दिया। प्यार, धोखा और हत्या के इस खौफनाक खेल में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की नृशंस हत्या कर दी। हत्या के बाद उन्होंने सबूत मिटाने के लिए शव को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

धन्नालाल सैनी, जो पेशे से सब्जी विक्रेता था, अपनी पत्नी गोपाली देवी के व्यवहार पर लंबे समय से संदेह कर रहा था। गोपाली पिछले 5 वर्षों से दीनदयाल नामक व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध में थी। 15 मार्च 2025 को, धन्नालाल ने अपनी पत्नी की सच्चाई जानने के लिए सागरनेर स्थित दीनदयाल की दुकान 'श्याम फैशन' का रुख किया। वहां उसने गोपाली और दीनदयाल को रंगे हाथों पकड़ लिया, जिससे उनकी साजिश को जन्म मिला। धन्नालाल के संदेह से बचने के लिए गोपाली और दीनदयाल ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उन्होंने उसे दुकान के ऊपर बुलाया, जहां पहले लोहे के पाइप से सिर पर वार किया और जब वह जमीन पर गिर पड़ा, तो रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों ने शव को प्लास्टिक की थैली में लपेटा और बाइक से रिंग रोड स्थित भैरूजी मंदिर के पास जंगल में ले जाकर जला दिया ताकि पहचान छिपाई जा सके। हत्या को अंजाम देने के बाद गोपाली और दीनदयाल घर छोड़कर भागने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस की तेजी से जांच ने उन्हें बेनकाब कर दिया। मुहाना थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के परिजनों ने आरोपियों के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग की है। फिलहाल, पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

इजराइल के ताजा हमले से गाजा में 58 फिलीस्तीनियों की मौत, रफा और खान यूनिस में हालात बदतर!

गाजा पट्टी। गाजा पट्टी पर बुधवार रात से जारी इजराइली हमलों में कम से कम 58 फिलीस्तीनियों की मौत हो गई। गाजा स्थित तीन अस्पतालों ने यह जानकारी दी। कई मकानों पर मध्य रात्रि में किए गए हमले में सोते हुए बच्चों एवं महिलाओं समेत कई लोग मारे गए। इजराइल ने मंगलवार को गाजा में भीषण हमले फिर से शुरू कर दिए जिससे वह युद्ध विराम समझौता टूट गया जिसके तहत दो दर्जन से अधिक बंधकों को रिहा कराने में मदद मिली थी। इजराइल ने नए सिरे से लड़ाई शुरू होने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। इस उग्रवादी समूह ने उस नए प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था जो उस समझौते में शामिल नहीं था जिस पर हस्ताक्षर किए गए थे। हमास द्वारा इस प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने के बाद इजराइल ने हमले किए। इजराइल ने मंगलवार सुबह भी गाजा पट्टी क्षेत्र में हवाई हमले किए थे जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 400 से अधिक फलस्तीनी मारे गए थे। हमास द्वारा रॉकेट दागने या अन्य हमले करने की कोई जानकारी नहीं मिली है। बृहस्पतिवार तड़के हुए हमलों में से एक हमला अबासन अल-कबीरा गांव में एक मकान पर हुआ। यह गांव खान यूनिस के बाहर इजराइल की सीमा के पास है। यह गांव उस इलाके में है जिसे इजराइली सेना ने इस सप्ताह की शुरूआत में खाली करने का आदेश दिया था।

गांव के निकट स्थित यूरोपियन हॉस्पिटल' ने बताया कि इस हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। दक्षिणी शहर रफा में स्थित ह्ययूरोपियन हॉस्पिटल' ने कहा कि रात भर किए गए हमलों के बाद उसके पास कुल 36 शव लाए गए जिनमें ज्यादातर महिलाओं एवं बच्चों के शव हैं। खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल में सात शव लाए गए जिनमें से चार को ह्ययूरोपियन हॉस्पिटल' में स्थानांतरित कर दिया गया था। उत्तरी गाजा में, ह्यइंडोनेशियन हॉस्पिटल' ने बताया कि उसके पास 19 लोगों के शव लाए गए।

ओमेगा बिल्डर्स ने कशेली में 'शिव गंगा' प्रोजेक्ट का भव्य शुभारंभ

ठाणे (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के कशेली क्षेत्र में ओमेगा बिल्डर्स ने अपने नए आवासीय प्रोजेक्ट शिव गंगा का शुभारंभ किया। यह प्रोजेक्ट खासतौर पर निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। जिसमें कुल 50 आवासीय इकाइयाँ उपलब्ध होंगी। ओमेगा बिल्डर्स के प्रमोटर अरविंद प्रजापति और पन्नालाल साहनी जो कि क्षेत्र के अनुभवी एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी हैं। उन्होंने इस परियोजना की नींव रखी। उन्होंने बताया कि आज भी कई मजदूर और निम्न आय वर्ग के लोग खुद का घर खरीदने का सपना नहीं पूरा कर पा रहे हैं। इस आवश्यकता को समझते हुए शिव गंगा परियोजना की शुरूआत की गई है। जिसमें 15 लाख रुपये से घरों की कीमत शुरू होगी। शुभारंभ समारोह में गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस के मुंबई सेल्स हेड अजय प्रजापति रहे। इसके अलावा, गुरुओम एसोसिएट्स के प्रमोटर आशुतोष दीक्षित, हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील ओमप्रकाश प्रजापति एवं उत्तरशक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस प्रोजेक्ट के तहत आवासीय योजनाओं को किफायती बनाने के साथ-साथ आसान फाइनेंसिंग विकल्प भी उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे आम आदमी अपने घर के सपने को हकीकत में बदल सके। शुभारंभ के मौके पर सैकड़ों स्थानीय नागरिक, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। ओमेगा बिल्डर्स का यह कदम क्षेत्र के आवासीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और कशेली क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से बाइक सवार पति-पत्नी व 8 माह के बच्चे की मौत

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के कर्मा गांव के लिंक मार्ग से बृहस्पतिवार को घर जा रहे बाइक सवार पति-पत्नी और पुत्र की आकाशीय बिजली के चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिस मौके पर पहुंचकर विधिक कार्रवाई में जुट गए। परिजनों की चीख- पुकार से गांव में हड़कंप मचा है। कर्मा गांव निवासी रविशंकर कुशवाहा (32) दिल्ली में रहकर प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। रिश्तेदारी में शादी का कार्यक्रम आयोजित होने और होली पर्व पर वह गांव आए थे। बीते 19 मार्च को पत्नी सरोज कुशवाहा (30) और पुत्र अंकुश (8 माह) को लेकर बाइक से नगसर हाल्ट थाना के सरहुला गांव स्थित ससुराल गए थे। बृहस्पतिवार की सुबह वह पत्नी और मासूम पुत्र को लेकर बाइक से घर जा रहे थे। जैसे ही वह मुख्य मार्ग से बाइक गांव के लिंक मार्ग के तरफ लेकर घुमे तेज आवाज के साथ गिरी बिजली के चपेट में आ गए। जिससे पति- पत्नी और मासूम पुत्र अचेत होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोग उन्हें उपचार के लिए दिलदारनगर स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां से चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। इसके बाद दूसरे निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने दंपती और मासूम को मृत घोषित कर दिया गया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सभी लोग अस्पताल पहुंच गए। तीनों का शव देख घरवाले दहाड़े मारकर रोने- बिलखने लगे। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल और स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंचकर विधिक कार्रवाई में जुट गई। थानाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बताया कि तीनों शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर के जनपद में प्रशासनिक सेवा के अन्तर्गत प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने के उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार सहित अन्य अधिकारी गण कर्मचारीगण द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर के साथ कार्य करते हुए अनुभव को साझा करते हुए बताया कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के द्वारा एक युवा अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण के दौरान दिए गए सभी दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया गया। उन्होंने पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त किया और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समन्वय करते हुए अपना प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिलाधिकारी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा वे लोक सेवा के शिखर को प्राप्त करें। मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व अजय अंबष्ट, उप जिलाधिकारी केराकत, बदलापुर कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के साथ अपने किए गए कार्यों के दौरान अपने-अपने अनुभवों को साझा किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के द्वारा जनपद में नवीन पहल शुरू की गई थी, जिसमें ग्रामीण ओलंपियाड के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के क्षेत्र में बच्चों में छुपी प्रतिभा निकालने के लिए आयोजित किया गया था। उसके उपरांत जनपद स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसके क्रम में आज जिलाधिकारी के द्वारा जिला केसरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मोहित, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अजय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले किशन और द्रोण पाल को सम्मानित किया गया। महिला केसरी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली पलक यादव, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली खुशी यादव, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली खुशी और तान्या को सम्मानित किया गया। महिला कुमार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुरभि, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले तनु राजभर, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली रिया यादव, बाल केसरी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सौरव यादव, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले रंजीत यादव, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अमन और प्रियांशु को सम्मानित किया गया। जिला कुमार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अतुल यादव, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रियांशु यादव और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धर्मेंद्र और विनोद को गदा, मेडल तथा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने जनपद में प्रशिक्षण अवधि के अपने अनुभव का साझा करते हुए कहा कि यहा बहुत कुछ सीखने को मिला जो निश्चय ही आगे काम आयेगा। यह जनपद मेरे लिए विशेष है क्योकि यही से मेरी कैरियर की शुरूआत हुई है। उन्होंने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित सभी अधिकारीगण और कर्मचारीगण का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर राष्ट्रीय पहलवान ओमप्रकाश, कुश्ती अध्यक्ष केसरी सिंह, महा सचिव लालजी यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

रेडक्लिफ लैब्स का ह्यफॉर द वुमन, बाय द वुमन कैंपेन

मुंबई। भारत में 52% महिलाओं को लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का खतरा है। इसे ध्यान में रखते हुए, प्रमुख डायग्नोस्टिक हेल्थकेयर प्रदाता रेडक्लिफ लैब्स ने एक महीने का कैंपेन शुरू किया। जिसका नाम है फॉर द वुमन, बाय द वुमन। यह कैंपेन पूरे देश में 220 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों के जरिए महिलाओं को जागरूक करने और उनकी बीमारियों की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इन सभी शिविरों का प्रबंधन पूरी तरह से महिला स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना, बीमारियों का जल्दी पता लगाने में मदद करना और उन्हें अपनी सेहत की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाना है। इस कैंपेन को 21 राज्यों और 110 शहरों में संचालित किया जा रहा है। इसमें दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे बड़े शहरों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा, वाराणसी, पटना, जबलपुर, जयपुर और देश के अन्य हिस्सों में भी इसे चलाया जा रहा है। रेडक्लिफ लैब्स ने इस कैंपेन के तहत पूरे भारत में स्वास्थ्य शिविर लगाए हैं, जो महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। इन शिविरों में महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार फुल-बॉडी हेल्थ चेकअप पैकेज दिए जा रहे हैं, जिनमें फ्री हार्मोनल हेल्थ स्क्रीनिंग भी शामिल है। सभी शिविर पूरी तरह महिला स्वास्थ्यकर्मियों, फ्लेबोटोमिस्ट (खून निकालने वाले) और सहायक स्टाफ द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। यह महिलाओं की ताकत और उनके स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान को दर्शाता है। रेडक्लिफ लैब्स के सीईओ और संस्थापक आदित्य कंदोई ने कहा, ह्यमहिलाओं का स्वास्थ्य लंबे समय से उपेक्षित रहा है, और 52% महिलाओं को लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का खतरा है। थायराइड असंतुलन और पीसीओएस जैसी हार्मोनल समस्याओं का अक्सर समय पर पता नहीं चलता, जबकि डायबिटीज और हृदय रोग जैसी बीमारियां महिलाओं की सेहत को और प्रभावित कर रही हैं।